RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक:05 , रविवार, 15 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

न्याय सेवा की नई पहलः मोतिहारी में चित्रांश अधिवक्ता मंच के जिला कार्यालय का उद्घाटन 03

महाशिवरात्रि पर शिवमय हुआ अरेराज, श्री सोमेश्वरनाथ धाम से निकली भव्य शिव बारात 04

शालिनी पांडे की सीरीज बैंडवाले का ट्रेलर जारी, डीजे साइको बनकर... 07

महाशिवरात्रि पर्व आज

मंदिरों में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

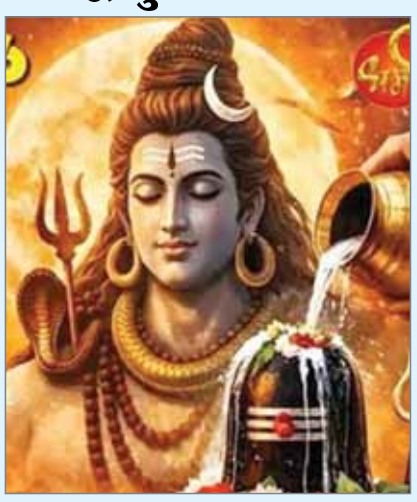

उज्जैन (एजेंसी)। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र पर्व है, जिसे भगवान शिव की आराधना और रात्रि जागरण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। वर्ष 2026 में महाशिवरात्रि के दिन लगभग 12 घंटे तक भद्रा का प्रभाव रहने की संभावना है, जिसके कारण श्रद्धालुओं के मन में यह प्रश्न उठ रहा है कि शिव पूजा किस समय करना शुभ रहेगा।

सुबह के मुहूर्त

चर	सुबह 8.24	सुबह 9.48
लाभ	सुबह 9.48	सुबह 11.11
अमृत	सुबह 11.11	दोपहर 12.35

शाम का मुहूर्त

शुभ	शाम 6.11	रात 7.47
अमृत	शाम 7.47	रात 9.23
चर	रात 9.23	रात 10.59

इमाम बोले-जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें

- उज्जैन में कहा- यह हमारी धार्मिक आजादी पर हमला; फैसला वापस ले सरकार

उज्जैन (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा।

मप्र उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुसलमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे।

हम कहेंगे कि जिन स्कूलों में वंदे मातरम् को अनिवार्य किया जा रहा है, वहां से सभी मुसलमान अपने बच्चों को निकाल लें। हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते कि वह इस्लाम में रहकर किसी और खुदा की इबादत करे। यह फैसला कानून के खिलाफ है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि अपना फैसला वापस ले।

एआई के बढ़ते प्रभाव पर माइक्रोसॉफ्ट की बड़ी चेतावनी

- सीईओ सुलेमान बोले- ज्यादातर वाइट कॉलर जॉब डेढ़ साल में ऑटोमेट हो जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई के बढ़ते प्रभाव और छंटनी के बीच माइक्रोसॉफ्ट (एमएस) एआई के सीईओ मुस्तफा सुलेमान ने बड़ी चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, 12-18 महीनों में एआई दफ्तरों की ज्यादातर वाइट कॉलर नौकरियों की जगह ले लेगी। असर सिर्फ सॉफ्टवेयर इंजीनियरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वकील, अकाउंटेंट, प्रोजेक्ट मैनेजर और मार्केटिंग प्रोफेशनल्स भी इसकी जद में आएंगे।

सुलेमान ने कहा कि कम्प्यूटर पर किए जाने वाले लगभग सभी काम डेढ़ साल में ऑटोमेटेड हो जाएंगे। 2-3 साल में एआई एजेंट बड़े संस्थानों के कामकाज को बेहतर तरीके से संभालेंगे। ये टूल्स समय के साथ खुद को अपडेट करेंगे और स्वतंत्र फैसले लेंगे। सुलेमान के अनुसार भविष्य में एआई मॉडल बनाना ब्लॉग लिखने जितना आसान होगा। दूसरी तरफ, भारत सरकार इस पर अलग राय रखती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का दावा है कि एआई नौकरियां नहीं छीनेगा, बल्कि युवाओं के लिए नए मौके पैदा करेगा।

- एआई में आत्मनिर्भर होने जा रही माइक्रोसॉफ्ट- माइक्रोसॉफ्ट अब ओपन एआई पर निर्भरता कम कर खुद के शक्तिशाली फाउंडेशन मॉडल बना रही है। इसके लिए दुनिया की बेहतरीन ट्रेनिंग टीम तैनात की गई है। कंपनी विशाल डेटा सेट को व्यवस्थित करने पर भारी निवेश कर रही है।

ड्रामेबाज पाक कप्तान आगा बोले

हैंडशेक न करने का जवाब हम आज मैच में देंगे

- एशिया कप में सूर्या ने हाथ नहीं मिलाया था, कोलंबो में आज मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। ड्रामेबाज पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से पहले शनिवार को कोलंबो में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान आगा ने हैंडशेक विवाद पर कहा- इसका जवाब हम आज मैदान पर देंगे। पिछले साल हुए एशिया कप 2025 में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत सभी प्लेयर्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। सूर्यकुमार ने कहा था कि उनकी टीम पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाएगी।

- मैच अच्छे जज्बे में खेला जाना चाहिए'- आगा से भारत-पाक मैच के माहौल और राजनीति से अलग खेल भावना पर सवाल हुआ। उन्होंने कहा, मैच अच्छे जज्बे में खेला जाना चाहिए। मेरा मानना मायने नहीं रखता। खेल जैसे शुरू से खेला जाता रहा है, वैसे ही होना चाहिए।
- इतिहास नहीं बदल सकते- आगा ने माना कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, इतिहास नहीं बदल सकते। रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन इस बार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे।

उत्तरप्रदेश में एक करोड़ महिलाओं की पेंशन बढ़ेगी

- सीएम योगी बोले- जो वंदे मातरम नहीं गाए, उसे कान पकड़कर बाहर करो

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सीएम योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को कान पकड़कर बाहर करना चाहिए।

ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात देकर असम में बोले पीएम मोदी

नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था

गुवाहाटी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी गुवाहाटी में जनसभा कर रहे हैं। इस दौरान पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए

5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कभी नहीं कर सकती है। पीएम मोदी ने कहा- बजट के बाद असम का नार्थ ईस्ट का मेरा ये पहला दौरा है, जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने हमेशा नजर अंदाज किया उसकी हम सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा- नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। बजट में ज्यादा फोकस नार्थ ईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है।

16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो किया

मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला। पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं।उन्होंने कहा- जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कर सकती है। कभी भी नहीं कर सकती है। आपका भला कर सकती है युवाओं का भला, किसानों का गांव का भला कर सकती है।

केंद्र सरकार की बड़ी सौगात

दिल्ली-हरियाणा समेत 4 राज्यों में बिछेगा 389 किमी का नया रेल नेटवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के तीन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिनकी लागत

लगभग 18,509 करोड़ रुपये है। इन प्रोजेक्ट्स में कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला और बल्लारी-होसपेटे के बीच तीसरी और चौथी लाइन बनाना शामिल है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

भारत-यूएस ट्रेड डील पर अमित शाह की विपक्ष को खरी-खरी

'जोर-जोर से झूठ बोलना और दोहराना राहुल गांधी की नीति'

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की किसान नेताओं से मुलाकात के बाद बीजेपी हमलावर है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर भारत-यूएस ट्रेड डील को लेकर किसानों और मछुआरों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों एवं भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश के किसानों और मछुआरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर किसानों एवं मछुआरों को गुमराह करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

राहुल ने शुरू की झूठ बोलने की नई परंपरा – राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने रोजाना झूठ बोलने की एक नई परंपरा शुरू कर दी है। पुडुचेरी के कराईकल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, झूठ बोलना, जोर-जोर से झूठ बोलना और उसे दोहराना राहुल गांधी की नीति है। लेकिन लोग आपकी झूठ गढ़ने वाली फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

मुंबईं में बड़ा हादसाः मुलुंड में मेट्रो पिलर का हिस्सा गिरा

ऑटो और कार के उड़े परखच्चे, 4 लोग घायल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) इलाके में शनिवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में एक निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का बड़ा हिस्सा गिरने से ऑटो और कार चकनाचूर हो गए। हादसे में 4 लोगों घायल हुए हैं। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12:20 बजे हुआ जब यातायात सामान्य रूप से चल रहा था। अचानक पिलर का एक हिस्सा ढह गया, जिसकी चपेट में आकर ऑटो रिक्शा पूरी तरह पिचक गया। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है।

युद्ध की कगार पर मिडल ईस्ट !

ट्रंप ने ईरान की ओर बढ़ाए युद्धपोत, तेहरान बोला-पूरी ताकत से देंगे जवाब

यूएस (एजेंसी)। अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत यूएसएस गेराइल्ड आर.फोर्ड को मध्य-पूर्व की ओर रवाना किया गया है। यह युद्धपोत पहले से क्षेत्र में तैनात यूएसएस अब्राहिम लिंकन को सपोर्ट करेगा, जिससे पर्सियन गल्फ और आसपास के इलाकों में अमेरिकी सैन्य ताकत कई गुना बढ़ जाएगी।

ईरान को सीधी चेतावनी

यह तैनाती ऐसे समय हुई है जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि अगर परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका के साथ कोई डील नहीं होती, तो तेहरान के लिए हालात 'बहुत दर्दनाक' साबित हो सकते हैं। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि सैन्य दबाव के जरिए ईरान को बातचीत की मेज पर गंभीरता से लाया जा सकता है। पिछले सप्ताह ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत हुई थी, लेकिन कतर और ओमान की मध्यस्थता के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया। इसके बाद ही अमेरिका ने यह बड़ा सैन्य कदम उठाया।

हिमाचल में बड़ा सड़क हादसा

कार खाई में गिरने से चार की मौत, एक घायल

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के भावानगर उपमंडल में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल है। घायल का छोल्टू अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 7:00 बजे जानी संपर्क मार्ग पर हादसा हुआ। टापरी से जानी जा रही कार अचानक जानी संपर्क मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई। एक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वहीं सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किन्नौर के भावानगर के समीप जानी लिंक रोड पर एक कार हादसे में चार लोगों के निधन पर शोक जताया है।

कार की ट्रक से भीषण टक्कर, चार जवानों की हुई मौत, एक गंभीर रूप से घायल

धमतरी (एजेंसी)। धमतरी जिले के नेशनल हाईवे-30 पर खपरी के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया गया कि मृतक और घायल जवान 201 कोबरा बटालियन के हैं। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

मेड़ता में सेना का ट्रक पलटा, 4 जवान घायल, दो की हालत गंभीर

मेड़ता (एजेंसी)। नागौर जिले के मेड़ता में सेना का ट्रक पलटने से दो जवान घायल हो गए, जिन्हें मेड़ता के उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर्स ने अजमेर रेफर कर दिया। यह हादसा शनिवार दोपहर 2 बजे करीब नेशनल हाइवे 58 स्थित डांगावास-मेड़ता बॉर्डर पर हुआ है। सेना का ये ट्रक बीकानेर से जबलपुर जा रहा था, जिसमें 4 जवान सवार थे। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

मप्र दमोह में दर्दनाक हादसा

क्षतिग्रस्त पुल से बाइक गिरने पर तीन की मौत, शादी में जा रहे थे

भोपाल/दमोह (एजेंसी)। मप्र के दमोह जिले में एक क्षतिग्रस्त पुल से मोटरसाइकिल गिरकर नदी में समा जाने से तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मृतक सभी लगभग 20-22 वर्ष के थे और अपने एक मित्र की शादी में शामिल होने जा रहे थे। यह हादसा शुक्रवार रात करीब 11 बजे तेंदूखेड़ा ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर सागर रोड पर हुआ। उप पुलिस अधीक्षक (एसडीओपी) अर्चना अहिर ने बताया कि तीनों युवक रास्ता भटक गए थे और पुल के उस हिस्से तक पहुंच गए, जो पिछले वर्ष आई बाढ़ में आंशिक रूप से बह गया था। बाइक सवार ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद मोटरसाइकिल ब्यारमा नदी में जा गिरी।

संक्षिप्त समाचार

वैलेंटाइन-डे, गर्लफ्रेंड का हाथ छुड़वाकर बॉयफ्रेंड को थमाई हनुमान चालीसा, पटना में हिंदू संगठनों का विरोध

पटना। पटना में हिंदू शिव भवानी सेना ने वैलेंटाइन-डे का विरोध किया है। पटना बुद्धा स्मृति पार्क पहुंचे कपल्स को कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा बांटी। इस दौरान कई जोड़े ऐसे थे जिनके हाथ छुड़वाकर उन्हें हनुमान चालीसा दी गई। हिंदू शिव भवानी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार शिव रुद्र ने कहा, 'भारत की संस्कृति में वैलेंटाइन का कहीं भी जिक्र नहीं है। अगर लोग समाज में अश्लीलता फैलाने की कोशिश की जाएगी तो हम चुप नहीं बैठेंगे। समाज में लव जिहाद फैलाने की कोशिश होगी तो हम जवाब देंगे। हम पार्कों में जा रहे हैं। बिहार के सभी सार्वजनिक स्थानों पर हमारी नजर है। हम प्रेमी जोड़ों को हनुमान चालीसा दे रहे हैं।' हिंदू शिव भवानी सेना ने पटना में पोस्टर भी लगाए हैं। इसमें लिखा है, 'जहां मिलेंगे बाबू-सोना, तोड़ देंगे कोना कोना।' इसके अलावा पोस्टर में आगे लिखा है- 'वैलेटाइन डे इसदिन बाबू सोना नहीं, पुलवामा के शहीदों को नमन दिवस।' पोस्टर में दावा किया गया है कि वैलेंटाइन डे और वैलेंटाइन वीक भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। इससे समाज में अश्लीलता बढ़ती है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 14 फरवरी को अगर कोई 'बाबू-सोना' जैसे दिखावटी नामों का इस्तेमाल कर सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करता पाया गया तो संगठन सामाजिक और नैतिक रूप से इसका विरोध करेगा। संगठन ने प्रशासन से भी मांग की है कि पार्क, कॉलेज परिसर और सार्वजनिक जगहों पर निगरानी बढ़ाई जाए। शहर के कई इलाकों में लगाए गए धमकी वाले इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद माहौल गरमा गया है। पटना पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गई है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या लोगों को डराने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

20 फरवरी से 14 मार्च तक 26 होली स्पेशल ट्रेनें, कोलकाता-दिल्ली रूट पर चलेगी गाड़ियां

पटना। होली के अवसर पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी घोषणा की है। कोलकाता और नई दिल्ली से से बिहार के लिए 20 फरवरी से 14 मार्च तक 26 स्पेशल होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, होली के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कोलकाता रूट पर हावड़ा जंक्शन-रक्सौल, सियालदह स्टेशन-मधुबनी और कोलकाता-मधुबनी के बीच स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। 03043 / 03044 और 03045/03046 हावड़ा-रक्सौल स्पेशल ट्रेन सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी और झाझा के रास्ते चलेगी। 03185 / 03186 और 03187/03188 कोलकाता-मधुबनी स्पेशल दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-झाझा मार्ग से परिचालित होंगी। इसके अलावा 08753/08754 दुर्ग-मधुबनी स्पेशल और 03007 / 03008 हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल भी निर्धारित तिथियों पर चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों से बिहार, झारखंड और राजस्थान के यात्रियों को लाभ मिलेगा। रेलवे ने जयनगर-अमृतसर हमसफर क्लोन एक्सप्रेस (04651 / 04652) की परिचालन अवधि 1 मार्च से 31 मार्च तक बढ़ाने का फैसला किया है। इससे पंजाब और मिथिलांचल के यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की तिथि और समय की जानकारी आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें। होली के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बिहार में 11 डिग्री न्यूनतम तापमान, धीरे-धीरे बढ़ेगी गर्मी, पटना में सुबह हल्की धुंध दिख सकती

पटना। बिहार में मौसम अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। विभाग की मानें, तो आज राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्की धुंध दिख सकती है। जबकि दिन में धूप निकलेगी, जिससे मौसम गर्म रहेगा। तापमान में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी मिड तक मौसम सामान्य रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर सुबह और रात के समय हल्की ठंड बनी रह सकती है। फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में सुपौल सहित कुछ जिलों में सुबह कोहरा दिखा फिर तेज धूप निकल गई। मौसम वैज्ञानिकों और भारतीय मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम पर पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं और वातावरण में नमी का मिला-जुला असर रहा है। इन कारणों से सुबह धुंध और रात में ठंड महसूस हो रही है, जबकि दिन में धूप निकलने से तापमान संतुलित बना हुआ है। पूर्वानुमानों के अनुसार 14 फरवरी के आसपास अधिकतम तापमान लगभग 24 से 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 से 13 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम सामान्य रहेगा और केवल हल्की धुंध या आंशिक बादल दिख सकते हैं। इस समय मौसम में बदलाव के पीछे कई वैज्ञानिक कारण हैं। पहला कारण पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करता है। दूसरा कारण उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं हैं, जो रात और सुबह तापमान को नीचे ले जाती हैं।

2500 लीटर अवैध शराब का घोल नष्ट:बिदुपुर दियारा इलाके में पुलिस ने 3 भट्ठियां की ध्वस्त

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुड़ावनपुर बिशुनपुर सैदअली दियारा इलाके में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने लगभग 2500 लीटर अर्धनिर्मित जावा गुड़ का घोल और तीन शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर की गई। पुलिस टीम ने मौके से अवैध शराब बनाने के लिए तैयार किए गए इस घोल को विनष्ट किया। इसके अतिरिक्त, अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली तीन भट्ठियों को भी ध्वस्त किया गया। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी होली त्योहार को देखते हुए, वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने दियारा इलाके में अवैध रूप से चल रही शराब भट्ठियों को ध्वस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिए हैं। शराब माफियाओं की धरपकड़ तेज कर दी गई है। बिदुपुर थाना अध्यक्ष ने पुष्टि की कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई है और आगे भी जारी रहेगी।

दवा व्यवसायी से एक लाख की लूट, दुकान बंद कर पैदल घर लौट रहे थे एजी फार्मा मालिक

हाजीपुर। वैशाली के महनार बाजार में एक दवा व्यवसायी से लगभग एक लाख रुपए की लूट हुई है। यह घटना बीती रात तब हुई जब व्यवसायी अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। प्रसिद्ध एजी फार्मा के मालिक अविनाश कुमार (45) अपनी दुकान बंद कर पैदल घर जा रहे थे। इसी दौरान दो बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। अपराधियों ने हथियार के बल पर उनके बैग में रखे रुपए छीन लिए। यह वारदात महनार बाजार के एक सुरक्षित क्षेत्र में हुई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट देखा जा सकता है कि अपराधी पहले पुलिसकर्मी जैसा व्यवहार करते हैं। वे रास्ते में चल रहे व्यक्ति को रोककर पहले उसकी तलाशी लेते हैं। तलाशी के दौरान जेब में रखे रुपए निकालते है, फिर वहां से भागते हुए नजर आ रहे हैं।

हादसा: पटना में अज्ञात गाड़ी ने बुजुर्ग को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा-दनियावां स्थित एनएच-30ए पर सोनारू गांव के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान नालंदा जिले के अशरफपुर निवासी जयनंदन ठाकुर (पिता–चंदू ठाकुर) के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटना सैलून में काम करने जा रहे थे: परिजनों के अनुसार, जयनंदन ठाकुर हर रोज की तरह शनिवार सुबह भी घर से पटना के एक सैलून में काम करने के लिए निकले थे। सोनारू स्थित कोऑपरेटिव कॉलोनी मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पहचान में हुई देरी, सोशल मीडिया से मिली सूचना: घटना के समय मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। पुलिस ने उनके पास से एक थैली बरामद की, जिसमें बाल और दाढ़ी बनाने का सामान रखा था। सूचना मिलने पर फतुहा थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने मृतक की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। करीब दो घंटे बाद परिजन अस्पताल पहुंचे और शव की शिनाख्त की। अब परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि जयनंदन रोज की तरह काम पर जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में हादसे ने उन्हें हमसे छिन लिया।

- सुबह सैलून में जा रहे थे काम करने, परिवार को सोशल मीडिया से मिली सूचना

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव: फतुहा थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि, 'शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।'

पटना के लॉ एंड ऑर्डर एसडीपीओ समेत 4 बने एएसपी

एजेंसी, पटना

- बिहार के 4 सीनीयर डीएसपी को मिला प्रमोशन, एसएसी ने पहनाया अशोक स्तंभ का बैच

बिहार के 4 वरीय पुलिस उपाधीक्षक को ASP को तौर पर प्रोमोशन मिला है। इसकी अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दी है। पद ग्रहण करने की तारीख से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर निर्धारित वेतनमान का लाभ मिलेगा।

4 वरीय पुलिस उपाधीक्षक को ASP बनाया: प्रोमोशन जिन लोगों को मिला है, इसमें लॉ एंड ऑर्डर SDPO कृष्ण मुरारी प्रसाद, संजीत कुमार प्रभात, राजकुमार शाह, सुमित कुमार शामिल हैं। SDPO 1 लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद 2013 बैच के पदाधिकारी हैं। इससे पहले नालंदा में पदस्थापित थे। पिछले 2 साल से SDPO 1 लॉ एंड ऑर्डर के पद पर पटना में हैं। SSP ने पहनाया अशोक स्तंभ का बैच प्रोमोशन मिलने के बाद शनिवार को SDPO लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद और संजीत कुमार प्रभात पटना SSP कार्तिकेय शर्मा के दफ्तर पहुंचें। SSP ने दोनों अधिकारियों को अशोक स्तंभ का बैच पहनाया और बधाई दी। प्रोमोशन की खबर मिलने के बाद कोतवाली थानेदार अजय कुमार, बमबम कुमार, अरविंद कुमार निराला मिठाई और बुके लेकर बधाई देने पहुंच गए। इसके बाद बधाई देने वालों की भीड़ लगी रही।

पटना जिले के 4 पदाधिकारियों का तबादला: इनके अलावा पटना जिले में तैनात 4 पुलिस पदाधिकारियों का पटना SSP ने तबादला किया है। फतुहा के थानेदार सदानंद शाह को लाइन क्लोज कर दिया गया है। कुमार रौशन को फतुहा का थानेदार बनाया गया है। कमलेश राज को सुलतानगंज थानेदार बनाया गया है। रवि कांत को गुलजारबाग TOP प्रभारी बनाया गया है।

पप्पू यादव से गले मिलकर रो पड़े आईपी गुप्ता, सांसद भी हुए भावुक

एजेंसी, पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने PMCH के वार्ड का एक वीडियो शेयर किया है, जो पूरी तरह से जर्जर हालत में है। सांसद ने बताया कि उन्हें इलाज के लिए इसी वार्ड में रखा गया था।

पप्पू यादव ने X पर लिखा, PMCH के इस नर्क में उपचार के लिए मुझे रखा गया था। एक सांसद के साथ ऐसा सलूक, तो हमारे जनता मालिक के साथ यह क्या करते होंगे? समझ सकते हैं। मेरी गिरफ्तारी और उस दौरान हुई घटना और व्यवस्था प्रदर्शित करती हैं कि आम लोगों को किस तरह जलील परेशान किया जाता होगा? बेशर्म व्यवस्था,डूब मरो!

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पटना में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और खुद उन्हें खाना परोसा। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने विधायक आईपी गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान आईपी गुप्ता पप्पू यादव के गले लगकर रोने लगे। आईपी गुप्ता को रोता देख पप्पू यादव भी भावुक हो गए।

पप्पू यादव 7 दिनों बाद शुक्रवार शाम बेऊर जेल से बाहर निकले। जेल से निकलते ही वे सीधे फुलवारीशरीफ पहुंचे, जहां कोचिंग की छत से गिरकर जान गंवाने वाली छात्रा के परिजनों से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पटना पहुंचे खाजपुरा शिव-मंदिर में करेंगे महाशिवरात्रि पूजा

एजेंसी, पटना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय दौरे पर आज पटना पहुंचे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका एटरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद वे सीधे अपने आवास के लिए प्रस्थान किए। इस दौरान डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा समेत प्रदेश पदाधिकारी, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वंदे मातरम के विरोध पर बोले- जिन्हें राष्ट्र से प्रेम, उन्हें आपत्ति नहीं: वंदे मातरम के मुद्दे पर AIMIM विधायक अख्तरुल ईमान के आपत्ति जताया और न्यायालय जाने की बात कही है। इस पर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, 'जिन लोगों को राष्ट्र से प्रेम है, उन्हें वंदे मातरम से किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए।'

पप्पू यादव के बयान पर बोले विजय सिन्हा: पप्पू यादव के बयान और उनके जमानत को लेकर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि, विपक्ष को लोग विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। सरकार अपनी सजगता से काम कर रही है। सरकार कानून का राज हर हाल में स्थापित करेगा। विपक्ष के लोग अपनी भूमिका निभाते हैं और लोकतंत्र में उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है। इसलिए उसमें कुछ कहने और करने की जरूरत नहीं है। **खाजपुरा स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे नितिन नवीन:** दौरे के दूसरे दिन महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वे खाजपुरा स्थित शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। इस दौरान वे भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। मंदिर परिसर में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय श्रद्धालुओं की मौजूदगी रहने की संभावना है। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

- वंदे मातरम पर बोले विजय सिन्हा-जिन्हें राष्ट्र से प्रेम,उन्हें आपत्ति नहीं

पटना में ज्वेलरी दुकान में 60 लाख रुपये के गहने-कैश चोरी

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज अनुमंडल में शुक्रवार रात एक ज्वेलरी दुकान में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने दुकान के पिछले हिस्से में सेंधमारी कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने उड़ा लिए। दुकान में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी चोर अपने साथ ले गए। घटना पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत पततू बाजार की है। सुबह जब दुकान मालिक को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। वारदात के बाद इलाके में व्यापारियों के बीच दहशत का माहौल है।

लगभग 50 से 60 लाख के गहने चोरी: पतुत गांव निवासी रजनीश कुमार पिछले आठ सालों से बाजार में 'रजनीश ज्वेलर्स' नाम से दुकान चला रहे हैं। सुबह पड़ोसियों ने उन्हें दुकान के पिछले हिस्से में छेद और सीढ़ी लगी होने की जानकारी दी। दुकान खोलने पर रजनीश कुमार ने देखा कि दुकान का सारा सामान बिखरा हुआ था और लॉकर से लगभग 50 से 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने गायब थे। चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार में छेद कर प्रवेश किया।

गहनों के खाली बक्से बरामद, FSL और डॉग स्क्वायड मौके पर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास से चोरी हुए गहनों के खाली बक्से भी बरामद किए हैं। फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) और डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया है। यह घटना मुख्य सड़क के पास स्थित बाजार में हुई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों में चिंता का माहौल है। घटना को लेकर थानाध्यक्ष बिट्टू कुमार ने बताया किस, घटना की जानकारी दुकानदार रजनीश कुमार के द्वारा दी गई, जिसके बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच कर रही है। हालांकि, दुकान का शटर ठीक है चोर दुकान के पिछले हिस्से से घुसे हैं और लाकर को काटकर चोरी की है दुकान में लगे सीसीटीवी के द्वार भी गायब है कितनी की चोरी हुई है अभी तक स्पष्ट है नहीं हो सका है लिखित आवेदन आने के बाद स्पष्ट होगा।

> सुबह में जानकारी मिली कि मेरे दुकान में चोरी हुई है। जब दुकान खोला तो देखा कि लॉकर से सारा सामान गायब है। लॉकर में लगभग 25 से 30 kg चांदी, 150 ग्राम सोना और 67000 हजार नगद रुपया गायब है। दुकान में पीछे के रास्ते से दीवाल में सेंधमारी करते हुए चोर अंदर घुसे और लॉकर को काटकर चोरी की है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी चोर अपने साथ ले गए।
> - रजनीश कुमार, दुकानदार

जमुई में 'माटी का बल' दंगल प्रतियोगिता

एजेंसी, पटना

बिहार के 186 पहलवानों का लगेगा जमावड़ा, विजेताओं के मिलेगी 12.50 लाख रुपए की राशि

आज से बिहार में पहलवानों का जमावड़ा लगने वाला है। माटी का बल-दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और बिहार कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह कुश्ती प्रतियोगिता दो दिवसीय होगी, जिसमें बिहार के कोने कोने से आए कुल 186 पहलवान हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ पहलवान को 72 साल पुराना चांदी का गदा भी दिया जाएगा। दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह मौजूद रहेंगी।

पुरुषों के लिए चार भार वर्ग, महिलाएं का दो भार वर्ग में प्रतियोगिता: बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार की पारंपरिक कुश्ती मल्लयुद्ध पर आधारित इस कुश्ती प्रतियोगिता में पुरुषों के लिए चार भार वर्ग और महिलाओं के लिए दो भार वर्ग में प्रतियोगिता होगी। पुरुष के 50-60 किलोग्राम वर्ग में 66, 60-70 किग्रा वर्ग में 43 , 70-80 किग्रा में 22, 80-90 किग्रा वर्ग में 16 और 90 से अधिक किग्रा भार वर्ग में 13 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। इसी तरह महिला वर्ग के 50-60 किलोग्राम भार वर्ग में 16 और 60 किग्रा से ज्यादा भार वर्ग में 8 महिला पहलवान खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

विजेताओं के मिलेगी 12.50 लाख रुपए की राशि: जमुई के एस के सिंह मेमोरियल स्टेडियम में इस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्ग के विजेताओं के बीच कुल 12.50 लाख रुपए की राशि नकद पुरस्कार के रूप में दी जाएगी। विभिन्न भार वर्ग में प्रथम स्थान के विजेता को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान वाले को 50 हजार और तृतीय स्थान को 25 हजार का नकद पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा।

1954 में बनी थी चांदी की गदा: पुरस्कार के रूप में दिया जाने वाला चांदी का गदा बिहार में पारंपरिक कुश्ती की विरासत और सम्मान का प्रतीक है। 1954 में निर्मित यह चांदी का गदा 1975 में अंतिम बार बिहार के भारतीय हेवीवेट फ्री स्टाइल पहलवान और भारतीय सेना में कार्यरत रहे विश्वनाथ सिंह को बिहार केसरी के रूप में मिली थी। सीवान जिले के डुमराहर (दरौली के पास) नामक गांव में जन्में अंतरराष्ट्रीय पहलवान विश्वनाथ सिंह के सम्मान में यह गदा एक बार फिर बिहार के सर्वश्रेष्ठ पहलवान को दी जा रही है। सोनपुर, छपरा में आयोजित 2023 के मल्लयुद्ध में कैमूर राधेश्याम और मंसूरचक, बेगूसराय में आयोजित 2024 के मल्लयुद्ध में कैमूर के ही शुभम कुमार यादव ने प्रतियोगिता का सर्वोच्च पुरस्कार चांदी का गदा जीता था।

महाशिवरात्रि पर महावीर मंदिर में 60 भक्त करेंगे रूद्राभिषेक

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक होगा। महावीर मंदिर में मौजूद चारों शिवलिंग पर 60 रूद्राभिषेक के लिए बुकिंग हुई है। यह रुद्राभिषेक सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक होगा। शिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक करने के लिए भक्तों ने पहले से ही बुकिंग की है। इसके लिए भक्तों को बाहर से कोई भी सामान लाने की जरूरत नहीं है । दूध, दही, शहद, घी, शक्कर, बेलपत्र, भांग, धतूरा, आदि सामग्री सब चीज मंदिर से ही मिलेगी। भक्तों को सुबह से लेकर देर रात तक रुद्राभिषेक ब्राह्मणों के द्वारा कराया जाएगा।

चारों शिवलिंग पर होगा रुद्राभिषेक: महावीर मंदिर के बुकिंग काउंटर के संचालक पंडित राम मिलन ने बताया कि मंदिर में चार शिवलिंग में रुद्राभिषेक होगा। नीचे प्राचीन शिवलिंग पर कुल 17 रुद्राभिषेक, ऊपर शीशा बंद शिवलिंग पर कुल 17 रुद्राभिषेक और बीच में हनुमानजी के बगल में स्थित शिवलिंग पर कुल 9 रुद्राभिषेक होंगे। इसके अलावा सबसे ऊपर वाले फ्लोर पर एक और नई शिवलिंग स्थापित की गयी है, जहां भी 17 रुद्राभिषेक होगा।

विजय राघव मंदिर में महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर दीपोत्सव: केसरी नगर स्थित श्री विजय राघव मंदिर में शनिवार की शाम दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें मंदिर की ओर से असंख्य दीप तथा भक्तों द्वारा भी लाए गए दीप से मंदिर परिसर को सजाकर संध्या बेला में दीपोत्सव मनाया जाएगा।शनिवार की शाम सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा, हनुमानाष्टक, बजरंग बाण का पाठ कि जाएगा। महाशिवरात्रि पर भव्य झांकी भी निकलेगी।

विराट रामायण मंदिर थीम पर बन रही झांकी: इसके साथ ही महाशिवरात्रि पर खाजपुरा शिव मंदिर में भव्य आयोजन किया जाएगा। राजधानी के अलग-अलग इलाकों से 31 शोभायात्राएं और शिव-बारात झांकियां निकाली जाएंगी। इस बार 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' और 'विराट रामायण मंदिर में 33 फुट ऊंचे शिवलिंग' की थीम पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

तांडव नृत्य, गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा: मंदिर परिसर में मुख्य समारोह होगा, जहां शोभायात्राओं के स्वागत के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, तांडव नृत्य, गंगा आरती और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्र व राज्य सरकार के कई मंत्री, धर्माचार्य और समाज के प्रबुद्ध जन भाग लेंगे और शोभायात्राओं के अभिनंदन के साथ झांकियों की आरती उतारेंगे। मुख्य मंच पर शोभायात्रा समितियों को प्रतीक चिह्न, मेडल व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

- बाहर से कोई भी सामान लाने की जरूरत नहीं, खाजपुरा शिव मंदिर में श्रद्धालुओं पर होगी पुष्प वर्षा

20 स्थानों पर श्रद्धालुओं पर होगी पुष्प वर्षा: डॉ. चौरसिया ने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बेली रोड, वीरचंद पटेल पथ और जेपी गंगा पथ पर बड़ी-बड़ी शिव पताकाएं लगाई गई हैं। जिन मुहल्लों से शोभायात्राएं निकलेंगी, उनका रूट चार्ट तैयार है।शोभायात्रा मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं। 20 स्थानों पर शोभायात्राओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी और शरबत-पानी के स्टॉल लगाए जाएंगे। मुख्य समारोह स्थल के पास 60 फीट लंबा मंच बनाया जा रहा है। पहले मंच पर अतिथि शिव बारात झांकियों की आरती करेंगे, दूसरे मंच पर भजन संध्या और तांडव नृत्य होगा और तीसरे मंच से गंगा आरती होगी। मुख्य मार्गों पर तोरण द्वार बनाए जाएंगे। घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को झंडों से पाटा जाएगा। मुख्य समारोह स्थल, खाजपुरा शिव मंदिर परिसर को रंगीन बल्बों और झालरों से सजाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बस और ई-रिक्शा की टक्कर में चालक सहित दो घायल

बीएनएम @ मोतिहारी/आदापुर। दरपा थाना क्षेत्र के ग़म्हारिया कला बाजार स्थित चूड़िहरवा टोला के पास बस और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर में चालक सहित दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदापुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान आदापुर थाना क्षेत्र के सिरिसिया खुर्द गांव निवासी जहीर मियां के पुत्र मुगले-ए-आज़म (ई-रिक्शा चालक) तथा गंगा महतो के पुत्र रवी किशन के रूप में हुई है। बताया जाता है कि "शीत बसंत" नामक बस मोतिहारी से सवारी लेकर नरकटिया बाजार होते हुए आदापुर-रक्सौल की ओर जा रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा से साइड लेने के क्रम में आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना के बाद बस चालक, खलासी और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार चालक को कुछ देर के लिए पकड़ा गया था, लेकिन वह घायल को इलाज के लिए ले जाने के दौरान रास्ते में पेशाब का बहाना बनाकर फरार हो गया। दरपा थानाध्यक्ष अनीश कुमार ने बताया कि बस और ई-रिक्शा के बीच आमने-सामने टक्कर हुई है। घायलों को उपचार के लिए भेज दिया गया है तथा बस को सुरक्षित कब्जे में ले लिया गया है।

आरसेटी ने कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम किया आयोजित

बीएनएम @ निरज आनंद@ मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित सदर प्रखंड के समीप सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने एवं किसानों को सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार, दिनांक 13.02.2026 को भव्य कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन आरसेटी परिसर में किया गया। उक्त कार्यक्रम का नेतृत्व आरसेटी डायरेक्टर बिपिन कुमार द्वारा किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त क्षेत्र के किसानों, स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार ने उपस्थित किसानों एवं प्रशिक्षण लिए हुए प्रशिक्षुओं को विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पशुपालन एवं डेयरी ऋण, मत्स्य पालन ऋण, मशरूम उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य स्वरोजगार योजनाएं शामिल रहे।निदेशक ने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। अपने संबोधन में निदेशक बिपिन कुमार ने कहा कि सेंट्रल बैंक आरसेटी ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है अधिक से अधिक किसानों को संस्थागत ऋण से जोड़ना और उन्हें साहूकारी व्यवस्था से मुक्त कराना है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित किए जा सकें। यह कार्यक्रम किसानों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

अभयारण्य की गरिमा से खिलवाड़: अश्लील रील वायरल मामले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ बेतिया। उदयपुर पक्षी अभयारण्य में अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। यह कार्रवाई वन विभाग की सूचना के बाद की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 13 फरवरी 2026 को वन विभाग के अधिकारियों ने बैरिया थानाध्यक्ष को अवगत कराया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उदयपुर पक्षी अभयारण्य (सरैया मन) परिसर में अश्लील वीडियो एवं रील बनाकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा रहा है। इससे पक्षी विहार की छवि धूमिल हो रही है और यहां आने वाले पर्यटकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका व्यक्त की गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विधिक कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके पश्चात बैरिया थाना पुलिस ने वायरल वीडियो का सत्यापन किया तथा उसे प्रसारित करने वाली इंस्टाग्राम आईडी को चिन्हित कर लिया। उदयपुर वन परिसर पदाधिकारी के लिखित आवेदन के आधार पर बैरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संरक्षित पर्यावरणीय स्थलों की गरिमा को ठेस पहुंचाने तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

» टीचर्स ऑफ बिहार के "लेट्स टॉक" कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

बीएनएम @ मोतिहारी

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.....

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, "ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।" सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।" श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, "सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।" श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।"

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि—

- परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।
- मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।
- पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं।
- समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय....

कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

स्वच्छ वातावरण में कदाचार-मुक्त संपन्न कराई जाएगी मैट्रिक परीक्षा: जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि जिले में मैट्रिक परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष और कदाचार-मुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से प्राप्त निर्देशों के आलोक में वार्षिक माध्यमिक (सैद्धांतिक) परीक्षा-2026 का आयोजन 17 फरवरी से 25 फरवरी तक किया जाएगा। इसको लेकर मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित संयुक्त ब्रीफिंग में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 67 परीक्षा केंद्रों पर 72,654 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 12:45 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से 5:15 बजे तक। पहली पाली के परीक्षार्थियों को सुबह 9:00 बजे तक तथा दूसरी पाली के परीक्षार्थियों को 1:30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर चार-चार स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न अनुमंडलों में गश्ती दल दंडाधिकारियों की भी तैनाती की गई है, जो परीक्षा केंद्रों के आसपास विधि-व्यवस्था बनाए रखने और फोटो-स्टेट दुकानों पर निगरानी रखेंगे। जिलाधिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी तथा निदेशक डीआरडीए को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों के अंदर परीक्षार्थियों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के प्रवेश पर रोक रहेगी। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, घड़ी या किसी भी प्रकार की चिट-पुर्जा ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने वालों के विरुद्ध बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम-1981 के तहत कार्रवाई की जाएगी। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा सीट प्लान प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा के दिन सुबह 6:00 बजे से परीक्षा समाप्ति तक जिला नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में जिला शिक्षा पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सभी केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुर्गी व्यापारी से लूटकांड का खुलासा, एक गिरफ्तार, दो आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ मोतिहारी

झरौखर थाना क्षेत्र में मुर्गी व्यापारी से हुई लूट की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपियों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने लूटी गई बुलेट मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और 50 हजार नेपाली रुपये बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, झरौखर थाना कांड संख्या-08/26, दिनांक 16 जनवरी 2026 को दर्ज मामले में अपराधियों ने मुर्गी व्यापारी से 2,17,000 नेपाली रुपये, 14,100 रुपये भारतीय मुद्रा, एक बुलेट मोटरसाइकिल (रजि. नं. BR05BR-0354) तथा मोबाइल फोन लूट लिया था। मामले के उद्भेदन के लिए सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी अनुसंधान, कॉल डिटेल विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर 19 जनवरी 2026 को मंतोष कुमार (पिता- विश्वनाथ प्रसाद, निवासी- खरसलवा, थाना- झरौखर) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने अन्य आरोपियों के घरों पर छापेमारी की। लगातार दबिश के कारण रंजन कुमार (पिता- लालबाबू प्रसाद, निवासी- कवैया) ने 28 जनवरी 2026 को तथा मोनी कुमार (पिता- श्यामनंदन प्रसाद, निवासी- कवैया) ने 29 जनवरी 2026 को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद दोनों आरोपियों को 48-48 घंटे की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान मोनी कुमार की निशानदेही पर उसके घर से लूटी गई बुलेट मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन तथा 50,000 नेपाली रुपये बरामद किए गए। पुलिस शेष राशि की बरामदगी और मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिकरहना, जिला आसूचना इकाई की टीम, झरौखर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रेतर कार्रवाई जारी है और कांड से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में एएनसी जांच बढ़ाने पर जोर, 10 दिनों में सुधार का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी स्थित समाहरणालय के डॉ. राजेंद्र सभागार में शनिवार को उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त ने एएनसी (गर्भावस्था पूर्व जांच) में आई गिरावट पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अगले 10 दिनों के भीतर सुधार कर डाटा एंट्री अपडेट करने का निर्देश दिया। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि 10 दिनों के बाद निचले पायदान पर कार्य कर रहे स्वास्थ्य संस्थानों की भौतिक समीक्षा की जाए। बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं की पहचान सुनिश्चित की जाए, विशेष रूप से हाई-रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों पर ध्यान दिया जाए। साथ ही होम डिलीवरी को कम करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि 2500 ग्राम से कम वजन के नवजात शिशुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। गर्भवती महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां नियमित रूप से उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया, ताकि कम वजन वाले बच्चों के जन्म की संभावना कम हो सके। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक से अधिक बंध्याकरण सुनिश्चित करने तथा "भव्या" कार्यक्रम के तहत कमजोर प्रदर्शन कर रहे स्वास्थ्य संस्थानों में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत शत-प्रतिशत दवा सेवन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरद चंद शर्मा, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक, सभी उपाधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जिला योजना समन्वयक, जिला मूल्यांकन एवं अनुसरण पदाधिकारी, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, अस्पताल प्रबंधक, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, लेखा प्रबंधक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

न्याय सेवा की नई पहल: मोतिहारी में चित्रांश अधिवक्ता मंच के जिला कार्यालय का उद्घाटन

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार सिंह

जिला मुख्यालय में चित्रांश अधिवक्ता मंच के नए जिला कार्यालय का विधिवत उद्घाटन उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। समारोह के दौरान मंच के उद्देश्यों, भावी योजनाओं और समाज में उसकी सक्रिय भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरीय अधिवक्ताओं ने कहा कि यह कार्यालय चित्रांश समाज से जुड़े लोगों के लिए विधिक सहायता और जनजागरूकता का एक सशक्त केंद्र साबित होगा। उन्होंने बताया कि अक्सर समाज के कई लोग कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों की जानकारी के अभाव में अनावश्यक परेशानियों का सामना करते हैं। ऐसे में मंच का यह प्रयास उन्हें उचित परामर्श, मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। इस उद्देश्य से मंच न केवल विधिक सलाह देगा, बल्कि समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार और परामर्श शिविर भी आयोजित करेगा, ताकि आमजन कानून के प्रति जागरूक और सशक्त बन सकें। उद्घाटन समारोह में वरीय अधिवक्ता दिवाकर श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, अमरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, संजीव कुमार, शिवेश कुमार, राकेश रंजन, रविभूषण सिन्हा, अनिल कुमार, मनीष वर्मा एवं संजय कुमार सहित अनेक अधिवक्तागण उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को सशक्त बनाने और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकजुटता, आपसी सहयोग और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ। अधिवक्ताओं में इस नई पहल को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जो आने वाले समय में न्याय सेवा को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में सकारात्मक संकेत है।

इमरजेंसी तैयारी योजना और एंटीसिपेटरी एक्शन पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के एक निजी होटल में शनिवार को "इमरजेंसी तैयारी योजना (Emergency Preparedness Plan) एवं एंटीसिपेटरी एक्शन" विषय पर जिला स्तरीय कैपेसिटी बिल्डिंग एवं कंसल्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, बाल रक्षा भारत तथा बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से बढ़ते आपदा जोखिम को कम करते हुए जलवायु अनुकूल समुदाय का निर्माण करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, डीसीएम नंदन झा, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार, बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप के संयोजक अमर, रिसोर्स पर्सन प्रवीण कुमार, महिला विकास निगम के डीपीएम वीरेंद्र कुमार एवं निर्देश की प्रतिनिधि मधु कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विषय प्रवेश कराते हुए आपदा जोखिम न्यूनीकरण विशेषज्ञ प्रवीण कुमार ने आपदाओं के प्रकार, उनके प्रभाव और जोखिम न्यूनीकरण की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एंटीसिपेटरी एक्शन का मूल सिद्धांत "आपदा आने से पहले तैयारी" है, जिससे जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने समुदाय आधारित तैयारी, पूर्व चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित आश्रय स्थल और आवश्यक संसाधनों की पूर्व व्यवस्था को आपदा प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने कहा कि आपदा प्रबंधन बहु-विभागीय समन्वय का विषय है और जनप्रतिनिधियों, अंचल कार्यालय, अग्निशमन विभाग तथा अन्य विभागों के सहयोग से ही प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य संभव है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा प्रशिक्षित "आपदा मित्र" आपदा के समय समुदाय के साथ खड़े रहकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि संभावित आपदाओं को देखते हुए पूर्व तैयारी मार्च माह से ही शुरू कर दी जाती है। वहीं जिला कम्युनिटी मोबिलाइज़र नंदन झा ने कोविड-19 काल में बनकटवा प्रखंड में की गई अग्रिम तैयारी को एंटीसिपेटरी एक्शन का सफल उदाहरण बताया। महिला विकास निगम के डीपीएम वीरेंद्र कुमार ने आपदा के दौरान महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का संचालन असीम कुमार मंडल ने किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के शकील अहमद, जल संसाधन विभाग के विकास कुमार, दिग्विजय कुमार, विजय कुमार उपाध्याय, मुखिया मोहन साहनी, सरपंच मुरारी साहनी, पंचायत समिति सदस्य राजेश साहनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में समूह चर्चा के माध्यम से जिला स्तरीय इमरजेंसी प्रिपेयर्डनेस प्लान (EPP) एवं एंटीसिपेटरी एक्शन प्रोटोकॉल का प्रारूप तैयार किया गया, जिसे भविष्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और त्वरित राहत कार्यों में लागू करने पर सहमति बनी। आपदा प्रबंधन की दुनिया में सबसे शक्तिशाली हथियार राहत सामग्री नहीं, बल्कि समय से पहले की गई तैयारी होती है — क्योंकि प्रकृति चेतावनी कम देती है, लेकिन विज्ञान और योजना हमें संकेत पढ़ना सिखाते हैं।

मनरेगा ई-केवाईसी प्रगति धीमी मिलने पर उप विकास आयुक्त नाराज़, अनुपस्थित अधिकारियों के वेतन में कटौती

बीएनएम @ मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में शनिवार को उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा के तहत कार्यरत मजदूरों के ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले की 177 पंचायतों में ई-केवाईसी की प्रगति जिला औसत से कम है। इस पर उप विकास आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को हर हाल में सुधार लाने का निर्देश दिया। बैठक में सभी कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) को आमंत्रित किया गया था, लेकिन कार्यक्रम पदाधिकारी मधुबन और कार्यक्रम पदाधिकारी तेतरिया अनुपस्थित पाए गए। इसे गंभीरता से लेते हुए उप विकास आयुक्त ने दोनों पदाधिकारियों के एक दिन के वेतन की कटौती करते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा। इसके अलावा हरसिद्धि के पीआरएस मनोज कुमार सिंह, चकिया के पीआरएस राम प्रसाद तथा केसरिया के पीआरएस शत्रुघन कुमार भी बैठक से अनुपस्थित पाए गए। इन सभी से भी स्पष्टीकरण की मांग की गई है। सभी पीआरएस को निर्देश दिया गया कि ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाते हुए 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें। स्पष्ट चेतावनी दी गई कि इस कार्य में किसी भी कर्मी या पदाधिकारी द्वारा लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निर्देशक एनईपी तथा डीपीओ मनरेगा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सीमा सुरक्षा को लेकर समन्वय बैठक आयोजित, संयुक्त गश्ती पर सहमति

बीएनएम @ बेतिया। भारत–नेपाल सीमा पर अपराध नियंत्रण को लेकर शुक्रवार, 14 फरवरी 2026 को सशस्त्र सीमा बल (SSB) कैंप सिकटा के प्रांगण में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने की। इसमें बिहार पुलिस, एसएसबी तथा सीमावर्ती राष्ट्र नेपाल की पुलिस एवं नेपाल एपीएफ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सीमा क्षेत्र में बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब की तस्करी, मवेशी तस्करी तथा अन्य सीमावर्ती अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सीमा पार आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान और संयुक्त रणनीति अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा नो-मैन्स लैंड और सैनिक रोड पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के मुद्दे पर भी विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित एजेंसियों ने आपसी समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने पर सहमति जताई। अपराध नियंत्रण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसएसबी, बिहार पुलिस तथा नेपाल पुलिस द्वारा संयुक्त गश्ती अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस समन्वित पहल से सीमा क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

बलुआ भवानीपुर पंचायत भवन में लगा विशेष शिविर

बीएनएम @ योगापट्टी : पश्चिमी चंपारण के योगापट्टी प्रखंड अंतर्गत बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर 5 स्थित बहुद्देशीय भवन में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य किसानों की फार्मर आईडी बनाना और ई-केवाईसी (e-KYC) की प्रक्रिया को पूर्ण करना था।इस अभियान में स्थानीय उर्वरक व राशन डीलरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने केंद्रों को सूचना केंद्र के रूप में उपयोग करते हुए किसानों को आधार सीडिंग और भूमि रिकॉर्ड सत्यापन में सक्रिय सहयोग दिया। डीलर हरेराम गिरी ने किसानों से अपील की है कि वे 21 फरवरी की समय-सीमा से पूर्व अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें, अन्यथा भविष्य में सरकारी लाभ से वंचित होना पड़ सकता है।कैंप को सफल बनाने में कार्यपालक सहायक हरेराम गिरी, उप मुखिया प्रेमचंद कुशवाहा, कृषि समन्वयक सतवीर पांडे, स्वच्छता पर्यवेक्षक टुना कुमार शर्मा, और डीलर आशु, विक्रम व अवधेश सहित अन्य कर्मियों ने सक्रिय योगदान दिया। इस पहल से अपात्रों को हटाने और वास्तविक किसानों को योजना से जोड़ने में मदद मिली है।

संसद में दबाई जा रही सच की आवाज़ः पप्पू यादव

पप्पू यादव को गले लगाकर फूट-फूटकर रो पड़े विधायक आईपी गुप्ता

बीएनएम @ पटना। जेल से रिहाई के बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पटना आगमन पर एक अत्यंत भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। पटना एयरपोर्ट पर जैसे ही विधायक आईपी गुप्ता उनसे मिले, वे गले लगकर फूट-फूटकर रो पड़े। इस मिलन ने न केवल कार्यकर्ताओं को भावुक कर दिया, बल्कि पप्पू यादव भी अपने आंसू नहीं रोक पाए। इससे पहले पटना में पप्पू यादव ने अपने समर्थकों के प्रति आभार जताते हुए उन्हें खुद खाना परोसकर खिलाया, जो उनकी सादगी को दर्शाता है।पटना से दिल्ली रवाना होने के बाद पप्पू यादव ने कई ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने NEET छात्रा की मौत और देश में बेटियों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अधिकांश राजनीतिक दल इन संवेदनशील मुद्दों पर एकजुट हैं, लेकिन तंत्र में सुधार की बड़ी आवश्यकता है।सांसद ने आरोप लगाया कि वर्तमान में जनहित के महत्वपूर्ण विषयों पर संसद में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जाता और सच बोलने वालों की आवाज़ दबाने की कोशिश होती है। उन्होंने कहा कि अब न्याय के लिए केवल न्यायालय ही सबसे भरोसेमंद रास्ता बचा है। पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि वे इन विषयों को लेकर लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे और सदन में जनता की आवाज़ उठाते रहेंगे।

महाशिवरात्रि पर दुल्हन की तरह सजा सिंघेश्वर धाम

आज से एक माह तक भक्ति और मनोरंजन का संगम

बीएनएम @ मधेपुरा । मधेपुरा जिले का प्रसिद्ध और आस्था का प्रमुख केंद्र सिंघेश्वर नाथ मंदिर इन दिनों महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में किसी नवविवाहिता की तरह सजा हुआ है। "बिहार का देवघर" कहे जाने वाले इस पवित्र धाम में 15 फरवरी को होने वाली महाशिवरात्रि के बाद कल से एक महीने तक चलने वाले भव्य और ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ हो रहा है। मंदिर प्रशासन और स्थानीय निकाय ने पूरे परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूलों से सजाया है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय और प्रकाशमान हो उठा है। दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक और इस पारंपरिक मेले का आनंद लेने के लिए सिंघेश्वर पहुँचने लगे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मधेपुरा जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं, जिसके तहत पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है और सादे लिबास में पुलिस बल की तैनाती की गई है।मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष रूट चार्ट लागू किया गया है और बड़े वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है ताकि पैदल चलने वाले शिवभक्तों को असुविधा न हो। प्रशासन के साथ-साथ श्रृंगी ऋषि फाउंडेशन जैसे सामाजिक संगठन भी सेवा शिविरों और सहायता केंद्रों के माध्यम से श्रद्धालुओं की मदद में जुटे हैं। मनोरंजन के लिए मेले में विभिन्न प्रकार के झूले, मीना बाजार और स्टॉल लगाए गए हैं, जो बच्चों और परिवारों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजकुमार ने बताया कि मेले में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और अस्थायी शौचालयों की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। श्रद्धा, उत्साह और सुरक्षा के बीच सिंघेश्वर का यह ऐतिहासिक मेला एक बार फिर उत्तर बिहार की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को जीवंत करने के लिए तैयार है।

कैंसर के असहनीय दर्द में होम्योपैथी बनी सहारा

बीएनएम @ बगहा : कुशीनगर के ज्ञानी यादव की पत्नी लीवर कैंसर की अंतिम अवस्था में थीं, जहाँ बड़े अस्पतालों ने हाथ खड़े कर दिए थे। मरीज असहनीय पीड़ा के कारण मृत्यु और जहर तक की मांग करने लगी थी। ऐसी स्थिति में परिजनों ने बगहा स्थित होमियो कैंसर सेवा अस्पताल के डॉ. पदम भानु सिंह से संपर्क किया।डॉक्टर के परामर्श और होम्योपैथिक उपचार से मात्र 24 घंटे में मरीज को दर्द से राहत मिली। परिजनों के अनुसार, अगले तीन महीनों तक मरीज शांत और पीड़ा मुक्त रही। डॉ. सिंह ने बताया कि उचित दवा, पोषण और मनोबल बढ़ाकर कैंसर रोगियों की तकलीफ कम की जा सकती है।

महाशिवरात्रि पर शिवमय हुआ अरेराज, श्री सोमेश्वरनाथ धाम से निकली भव्य शिव बारात

जयकारों और पुष्पवर्षा के बीच उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @ अरेराज @ उज्जवल मिश्रा

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री सोमेश्वरनाथ धाम से निकली भव्य शिव बारात ने पूरे नगर को भक्तिरस में डुबो दिया। संध्या होते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के गगनभेदी जयकारों से वातावरण गूंज उठा। भगवान शिव, माता पार्वती और गणों की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक सजावट से सुसज्जित रथों ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और भक्ति संगीत के बीच बारात नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। देर रात तक नगर में भक्ति और उत्सव का वातावरण बना रहा।

•शिव बारात में दिखा समरसता का संदेश, हर वर्ग की रही सहभागिता

•धर्म के साथ सेवा और सामाजिक एकता की मिसाल-महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि के सान्निध्य में संपन्न इस आयोजन ने समाज में समरसता और एकता का संदेश दिया। शिव बारात में सभी आयु वर्गों और समुदायों के लोग शामिल हुए। युवाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत किए, वहीं महिलाएं भक्ति गीतों के माध्यम से शिव स्तुति करती नजर आईं। कई स्थानों पर स्वयंसेवकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई। आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि धार्मिक पर्व केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सेवा-भाव का भी प्रतीक है।

•प्रशासनिक मुस्तैदी से शांतिपूर्ण रहा आयोजन, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

•वरिष्ठ अधिकारी लगातार करते रहे निगरानी-भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित तथा थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती और यातायात व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए थे। सीसीटीवी निगरानी और बैरिकेडिंग के माध्यम से भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित किया गया। प्रशासनिक सजगता के कारण पूरा आयोजन शांतिपूर्वक और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

•जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी से बढ़ी गरिमा, नगरवासियों ने किया भव्य स्वागत-शिव बारात में नगर अध्यक्ष रंटू पांडेय, जदयू प्रदेश सचिव साकेत सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों को सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर और पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। पूरे आयोजन ने यह दर्शाया कि धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सहभागिता का संतुलन ही ऐसे आयोजनों की वास्तविक शक्ति है।

इमारत शरैया के नायब सदर को बच्चियों ने सुनाया बुखारी शरीफ

बीएनएम @ तुरकौलिया

मेहरुन नेशा आइडियल एकेडमी सेमराटोला में एक कार्यक्रम आयोजित कर बुखारी शरीफ मुकम्मल (पुरा) करने वाली दस छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इमारत शरैया, फुलवारी शरीफ पटना के नायब नाजिम मौलाना सनाउल होदा साहब को इन बच्चियों ने बुखारी शरीफ का आखिरी सबक (पाठ) सुनाया। जहां मौलाना ने सनद तकसीम करते हुए बुखारी शरीफ पढ़ाने की इजाजत बच्चियों को दे दी। साथ ही मौलाना ने अपने हाथों से इन बच्चियों को मेडल से सम्मानित करते हुए हिम्मत आफजाई किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में अभिभावक शामिल थे।अपने संबोधन में इमारत शरैया के नायब सदर ने शिक्षा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। वही मेहरून नेशा आइडियल एकेडमी के संस्थापक हाजी असरार आलम आजाद ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे बच्चियो में फर्क नही करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि जिस तरह बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाते हैं उसी तरह बच्चियों को शिक्षा दिलाने में अपनी रूचि दिखाएं। इंसान के जीवन में शिक्षा की बहुत अहमियत है। इल्म एक रौशनी की तरह है जो अंधेरे में रास्ता दिखलाने का काम करता है। कार्यक्रम में आए पटना सबलपु के मौलाना मरगुबुर्हमान साहेब, मदरसा शमसुलहोदा बनौरा के मौलाना मुहम्मद मूसा, फतेहटोला के मौलाना नौशाद साहब, मौलाना शाहिद ने अपने बयान में ईल्म (शिक्षा) पर प्रकाश डालते हुए लड़कियों को भी शिक्षा दिलाने की अभिभावकों से अपील की।

यूजीसी कानून के समर्थन में हरसिद्धि में पैदल मार्च, 8 मार्च को जिला मुख्यालय पर आंदोलन का आह्वान

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय में शनिवार, 14 फरवरी 2026 को यूजीसी कानून के समर्थन में बुद्धिजीवी, छात्र- नौजवान और जागरूक नागरिकों द्वारा पैदल मार्च निकाला गया। यह मार्च हरसिद्धि व्यापार मंडल (भूतनाथ आश्रम) से प्रखंड कार्यालय तक आयोजित किया गया। मार्च के बाद शिवम विवाह भवन, हरसिद्धि में आयोजित बैठक में आगामी 8 मार्च 2026 को पूर्वी चम्पारण जिला मुख्यालय में प्रस्तावित विशाल आंदोलन का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन नागेश कुमार सहनी, नित्यानंद कुमार (अधिवक्ता), नीरज शाक्य, अखिलेश कुमार, ओमप्रकाश कुमार सहनी, राहुल कुमार तथा अभिषेक रंजन ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अधिवक्ता सत्याशरण यादव ने कहा कि यूजीसी कानून किसी भी प्रकार के भेदभाव के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इसमें धर्म, जाति, नस्ल, जन्म-स्थान या अन्य किसी आधार पर भेदभाव की अनुमति नहीं है। अधिवक्ता बिजय कुशवाहा ने कहा कि यह कानून समाज के वंचित वर्गों के छात्रों के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करने में सहायक है। वहीं रविन्द्र नाथ कुशवाहा ने इसे जनहित का कानून बताते हुए केंद्र सरकार से माननीय उच्चतम न्यायालय से रोक हटवाकर वंचित वर्गों के छात्रों को उनका अधिकार दिलाने की मांग की। बैठक में बिंदेश्वरी भंते जी, जंग बहादुर कुशवाहा, गुड्डू कुमार यादव, राजू कुमार (अभियंता), रविन्द्र कुमार रौनक, विक्की सिंह, मुन्ना सिंह, विजय कुमार सहनी, यतिन्द्र कुमार, गुड्डू कुमार सहनी, अमरजीत कुमार राम, रौशन राम, रंजित कुमार गुप्ता, संदीप कुमार कुशवाहा, दीपक पटेल, नन्दलाल पासवान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के साथ बच्चों को संस्कारित करना ही विद्यालय का मूल उद्देश्य : उदय प्रकाश

» दृष्टि गुरुकुल पब्लिक स्कूल में मातृ-पितृ पूजन समारोह आयोजित

बीएनएम @ सुगौली

नगर पंचायत क्षेत्र स्थित दृष्टि गुरुकुल पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के सचिव प्रभुनंदन प्रसाद, उपाध्यक्ष विजय कुमार, गुरुकुल फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च के प्रदेश निदेशक अवधेश दुबे, जनजागरण मंच के सचिव मधुरेन कुमार तथा केसी टीसी कॉलेज रक्सौल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संत साह ने दीप प्रज्वलित कर किया। दो सत्रों में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। करीब ढाई घंटे तक चले कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर आधारित नृत्य-संगीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देशभक्ति पर आधारित भाव नृत्य से वातावरण उत्साहपूर्ण हो उठा। बिहार की लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों को भी खूब सराहना मिली। नन्हे बच्चों द्वारा कृष्ण-राधा की भावपूर्ण प्रस्तुति ने अभिभावकों को भावुक कर दिया। बहन अफसा और बहन स्तुति की प्रस्तुति पर उपस्थित लोग झूम उठे। द्वितीय सत्र में बच्चों ने अक्षत, चंदन और पुष्प अर्पित कर अपने माता-पिता का पूजन किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दृश्य ने अभिभावकों को भावुक कर दिया। प्रदेश निदेशक अवधेश दुबे ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा भारतीय दर्शन और संस्कृति के मूल्यों पर आधारित है तथा पूरे बिहार में 22 विद्यालयों के माध्यम से इस उद्देश्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रभुनंदन प्रसाद ने विद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में संस्कारों का संचार करते हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए माता-पिता के प्रति श्रद्धा और सम्मान को आवश्यक बताया। डॉ. संत साह ने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और सांस्कृतिक पहल की सराहना की। विद्यालय के निदेशक उदय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन गुरुकुल समूह का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है, जिसे प्रत्येक वर्ष 14 फरवरी को उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या किरण श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, तीन घर जलकर राख, लाखों की संपत्ति नष्ट

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र में रविवार को शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने तीन परिवारों को बेघर कर दिया। घटना बैरिया डीह पंचायत के धवाई वार्ड संख्या-14 में हुई, जहां आग लगने से तीन घर पूरी तरह जलकर राख हो गए और लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार, आग की चपेट में आकर दुखीराम (पिता– भभीखन राम), सुखी राम (पिता– भभीखन राम) तथा विशंभर राम (पिता– रामचंद्र राम) का घर पूरी तरह जल गया। घर में रखे कपड़े, बर्तन, गेहूं, पशुओं का चारा और लगभग तीन हजार रुपये नकद भी आग में जलकर नष्ट हो गए। आग लगते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों परिवारों को भारी नुकसान हो चुका था। घटना के बाद पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। इस संबंध में स्थानीय मुखिया पति ललन सोहनी ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा देने और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अग्निशमन दल समय पर पहुंच जाता, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई, 54.290 किलोग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया

भारत-नेपाल सीमा से सटे कंगली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 54.290 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार, 14 फरवरी 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि नेपाल से धुतहा नदी के रास्ते कुछ व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कंगली थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 54.290 किलोग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद सामग्री में एक मोबाइल फोन भी शामिल है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेश महतो, पिता प्रसाद महता, निवासी ग्राम दरपा सुखलहिया, थाना दरपा, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) के रूप में हुई है। इस संबंध में कंगली थाना कांड संख्या-15/26 दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

महनागनी हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार व एक ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्राम महनागनी वार्ड संख्या-12 में मिले युवक के शव मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। घटना से जुड़े तीन मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 9 फरवरी 2026 को सूचना मिली थी कि महनागनी वार्ड संख्या-12 के एक गड्ढे में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की कार्रवाई की, जिसमें मृतक की पहचान इरफान अंसारी, पिता जाकिर अंसारी, निवासी खैरवा वार्ड संख्या-01, थाना मझौलिया, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य और मानवीय सूचना के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई। जांच के दौरान यह सामने आया कि मृतक की अंतिम बातचीत जिस मोबाइल फोन से हुई थी, वह आरोपियों के घर से बरामद किया गया। मृतक के पिता के लिखित आवेदन पर ओसी अहमद, खुशी आलम, सफरीन खातून तथा सफी आलम के विरुद्ध बेतिया मुफस्सिल थाना कांड संख्या-72/26, दिनांक 9 फरवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले में प्राथमिक अभियुक्त सफरीन खातून को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं आरोपी खुशी आलम ने 12 फरवरी 2026 को व्यवहार न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। ओसी अहमद की गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर मृतक का मोबाइल घटनास्थल के समीप से बरामद किया गया, जबकि मृतक द्वारा सफरीन खातून को दिया गया मोबाइल भी दूसरे स्थान से बरामद हुआ। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की आगे की जांच की जा रही है। आधुनिक जांच पद्धतियों में डिजिटल साक्ष्य की भूमिका लगातार बढ़ रही है, जिससे अपराध के तार जोड़ना पहले की तुलना में अधिक सटीक और तेज़ हो गया है।

परमाणु विनाश का खतरा

परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। पांच दशक में ऐसी स्थिति पहली बार आई है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा टालने की किसी संधि का अस्तित्व नहीं है। चार फरवरी को अमेरिका और रूस के बीच मौजूद न्यू स्टार्ट (स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) की अवधि समाप्त हो गई। रूस ने अमेरिका से नई संधि होने तक न्यू स्टार्ट की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इस तरह अमेरिका और रूस अब असीमित संख्या में परमाणु हथियारों की तैनाती के लिए स्वतंत्र हैं। 2010 में हुई न्यू स्टार्ट के तहत दोनों देशों ने अधिकतम 1550 परमाणु अस्त्रों की तैनाती की सीमा तय की थी। साथ ही प्रावधान था कि दोनों देश एक दूसरे की तैनाती के ठिकानों या अन्य परमाणु ठिकानों का निरीक्षण कर सकेंगे। इसके तहत अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती की संख्या भी तय थी। परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका की दलील है कि चीन उसके लिए खतरा बन कर उभर रहा है, जो उपरोक्त संधि में शामिल नहीं था। चीन का कहना है कि उसके पास मौजूद परमाणु हथियार अमेरिका और रूस से बहुत कम हैं, इसलिए उसे इस विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए। एक आकलन के मुताबिक अमेरिका के पास कुल 3,700, रूस के पास 4,309 और चीन के पास लगभग 600 परमाणु हथियार हैं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने गोल्डेन डोम परियोजना पर काम शुरू किया है। यह मिसाइल रक्षा कार्यक्रम है। रूस और चीन का कहना है कि इसका निर्माण होने के बाद सामरिक समीकरण बदल जाएंगे। उसे देखते हुए उन्हें अपने परमाणु अस्त्रागार और मजबूत करने होंगे। दलील यह भी है कि गोल्डेन डोम न्यू स्टार्ट की भावना का उल्लंघन है।

तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश

ललित गर्ग

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएं विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है। शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियां हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अतः शिव भक्ति का अर्थ है- शक्ति का संतुलन। आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है- तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं और असुरक्षा ने उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक "ऊँ नमः शिवाय" का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है- चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है। आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं- दुःखों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता

और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और शक्ति का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है, तो उसे अपनी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में यह अत्यंत आवश्यक साधना है। शिव भक्ति का सिद्ध प्रभाव उन असंख्य भक्तों के अनुभवों में दिखाई देता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी आस्था नहीं छोड़ी। सच्चे मन से की गई प्रार्थना व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देती है। यह शक्ति उसे संकटों से जूझने का साहस देती है। चमत्कार बाहर नहीं, भीतर घटित होता है-जब निराशा आशा में बदलती है, भय विश्वास में और अशांति शांति में। आज आवश्यकता है कि शिव को केवल मंदिरों तक सीमित न रखा जाए। वे काठ, पत्थर या मूर्ति में नहीं, बल्कि भाव में निवास करते हैं। जब हम सत्य बोलते हैं, करुणा का व्यवहार करते हैं, प्रकृति की रक्षा करते हैं, तब हम शिव की आराधना करते हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शिव भक्ति है, क्योंकि वे कैलाशवासी योगी हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के संतुलन की रक्षा करना ही शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा है। महाशिवरात्रि 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम अपने भीतर के विष को पहचानें और उसे शिवचेतना में रूपांतरित करें। हम अपने जीवन में संयम, संतुलन और साधना को स्थान दें। हम क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और अशांति के स्थान पर ध्यान को अपनाएं। शिवत्व की प्राप्ति कोई दूर की वस्तु नहीं। यह हमारे भीतर ही सुप्त है। आवश्यकता केवल जागरण की है। जब मनुष्य स्वयं को जीत लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी होता है। यही आत्मयुद्ध है, यही शिव की साधना है। इस महाशिवरात्रि पर हम सब मिलकर यह प्रार्थना करें-

"हे नीलकंठ! हमारे भीतर के विष को शांत करो।

हे महाकाल! हमें समय का सदुपयोग सिखाओ।

हे शंकर! हमारे जीवन में कल्याण का संचार करो।"

जब यह प्रार्थना सच्चे मन से होगी, तब निश्चित ही उसका प्रतिफल मिलेगा। क्योंकि शिव भाव के भूखे हैं। जहाँ निष्कपट श्रद्धा है, वहाँ शिव की कृपा अवश्य बरसती है। आधुनिक युग की जटिलताओं के बीच शिव भक्ति ही वह सेतु है, जो मनुष्य को स्वयं से, समाज को शांति से और विश्व को अमन से जोड़ सकती है। यही महाशिवरात्रि का सच्चा संदेश है-अंधकार से प्रकाश की ओर, अशांति से शांति की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर।

नई परतों की नई सुर्खियों में ट्रंप बैचेन

हरिशंकर व्यास

चाहे तो इसे पतनगामी पूंजीवाद का मकड़जाल कहें या अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष का कालजयी सत्व-तत्व! मनुष्य आदिकाल से पैसे (पॉवर, अर्थ) और सेक्स (काम-भोग) की वासना में जन्म-जन्मांतर चक्र में खपा चला आ रहा है। इसी से धर्म व मोक्ष के फलसफ़े गढ़े। बावजूद इसके ताजा सुर्खियां चौंकाने वाली है। पहली बार सेक्स-पॉवर की धुरी का वैश्विक तानाबाना खुला है। आज जेफ़री एपस्टीन दुनिया का नंबर एक चर्चित चेहरा है। पहली बार अदालती दस्तावेज़ों से सत्ता, पूंजी और यौन-शोषण का इतना गहरा और पसरा नेटवर्क उभरा है। एपस्टीन सिर्फ फ़ाइनेंसर, यौन अपराधी और मानव तस्कर नहीं था। वह उस नेटवर्क का रचयिता था, जो राष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, राजकुमार, खरबपति और वैश्विक प्रभावशाली कुलीनों, एलिट की भूख का सप्लायर था। वह संपर्कों, यात्राओं और संवादों से वह सब करता हुआ था जो आमतौर पर देशों की राजधानियों में सिमटे सत्ता-दलालों का पैमाना रहा है। पहली बार मालूम हुआ कि अमेरिका यदि दुनिया को नचाता है तो अमेरिकी दलाल भी दुनिया को नचाते हैं। इनकी वह वैश्विक, बहुराष्ट्रीय मंडी है, जिससे तमाम देशों के नेताओं की भूख पूरी होती है। और यह महज़ अफ़वाह या खोजी पत्रकारिता की सनसनी नहीं है, बल्कि अदालतों और जांच एजेंसियों के दस्तावेज़ों से उद्घाटित है। सो, एपस्टीन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस व्यवस्था, उस भूख का प्रतीक है, जिसमें पैसा, प्रभाव और वासना एक-दूसरे को पोषित करते हैं। एपस्टीन इस तंत्र का केंद्रीय संचालक था। और वह अपराधी भी करार हुआ। जेल में ही उसने आत्महत्या की। शुक्रवार को अमेरिका के न्यायिक विभाग ने 35 लाख से अधिक पेज और हजारों फ़ोटो और वीडियो सार्वजनिक किए। सब जेफ़री एपस्टीन और उसकी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के सेक्स-रैकेट नेटवर्क की जांच से जुड़े हैं। इन दस्तावेज़ों में इलेक्ट्रॉनिक संदेश, फ़्लाइट लॉग, बैंक रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। और उसके कारण अमेरिका में सर्वाधिक फ़ोकस में राष्ट्रपति ट्रंप लगातार हैं। उनके एपस्टीन के साथ रिश्तों का तानाबाना और खुला है। शायद इसी कारण अमेरिकी न्याय विभाग ने सभी दस्तावेज़ जारी नहीं किए। उसने खुद बताया है कि और भी दस्तावेज़ फ़ाइलों में हैं, मगर उन्हें जारी नहीं किया जाएगा। यदि अमेरिका की संसद अपने कानूनी अधिकारों से जस्टिस विभाग को मजबूर नहीं करती, तो शुक्रवार के दस्तावेज़ भी सार्वजनिक नहीं होते। इसलिए आगे ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ेंगी। जस्टिस विभाग ने ट्रंप या उन जैसी वैश्विक हस्तियों को बचाने के लिए दस्तावेज़ों के महत्वपूर्ण अंश, जैसे गवाहों के बयानों पर काली स्याही पोतकर उन्हें पब्लिक से ओझल किया। मतलब नाबालिग या कम उम्र की यौन पीड़िता ने गवाही में अपना जो बयान दर्ज कराया, उसके पूरे पेज को काली स्याही से पोत दिया। इस तरह स्याही से नाम, गवाही सब मिटा दिए गए। मतलब नेटवर्क के उजागर हुए कोई बीस-पच्चीस दलालों, सप्लायरों में किसने क्या किया और यौन-शोषण की शिकार महिलाओं ने क्या बयान दिए, सब काली स्याही में छुपाकर जस्टिस विभाग ने दस्तावेज़ जारी किए हैं। सो, अमेरिकी कांग्रेस और खासकर डेमोक्रेट सांसदों ने न्यायिक विभाग पर आरोप लगाया है कि पहले तो उसने कानूनी समयसीमा की पालना नहीं की। फिर फ़ाइलों को पूरी और बिना काले अक्षरों (ह्वठ्ठह्द्गस्त्रड्डष्ह्लद्गस्त्र) के रूप में जारी नहीं किया, ताकि पावरफुल लोगों की पहचान दबी रहे। उस नाते कह सकते हैं कि कहानी तो अभी शुरू हुई है। अमेरिकी मीडिया में यह बहस चली हुई है कि फ़ाइलों के सार्वजनिक किए जाने के बावजूद कितने लाख काग़ज़, फ़ोटो, वीडियो न्यायिक विभाग ने दबाए हुए हैं? कितनी सच्चाई और गवाही सामने आई है और कितनी छिपी हुई है? ईमेल दस्तावेज़ों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बार-बार है। इन्हें ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की साज़िश कहकर ख़ारिज किया है। ताज़ा दस्तावेज़ों के हाई-प्रोफ़ाइल व्यक्तियों में बिल गेट्स, ट्रंप के वाणिज्य मंत्री, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर, इलॉन मस्क आदि कई नाम हैं। निश्चित ही ज़िक्र से यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि ये सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे, मगर यह भी तथ्य है कि भंडाफोड़ होने के ख़तरे के चलते ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने पहले ही पदवी छोड़ दी। एपस्टीन द्वारा प्रिंस को भेजी गई यौन शोषण की शिकार महिला ने कहा है कि उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था। इस महिला के वकील ने एपस्टीन के वैश्विक नेटवर्क की शिकार दो सौ से ज़्यादा यौन पीड़िताओं के मामले देख रहे हैं। उन्होंने वर्जीनिया जियुफ्रे का भी केस लड़ा, जिसका आरोप था कि सन् 2001 में, जब वह 17 साल की थीं, तब उन्हें लंदन लाया गया ताकि वह पूर्व प्रिंस की भूख पूरी कर सकें। जेफ़री एपस्टीन को सबसे पहले 2008 में फ्लोरिडा में 14 साल की लड़की से सेक्स के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसने अपनी सज़ा जुलाई 2010 में पूरी की। बीबीसी के अनुसार, एपस्टीन ने तब कई महिलाओं को व्यावसायिक उड़ानों और अपने निजी जेट्स के ज़रिए ब्रिटेन पहुंचाया था। सो, जेफ़री एपस्टीन का कारनामा, वैश्विक नेटवर्क का ही नहीं है। इस कहानी के और भी पहलू है। अमेरिकी मीडिया में कहा जा रहा है कि इज़राइल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद की बदौलत एपस्टीन का साम्राज्य बना। अमेरिका में यहूदी ताक़त का वह एक प्रतिनिधि चेहरा था। इसलिए पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय राजनीति, ईरान बनाम सऊदी अरब की भू-राजनीति से लेकर मालदीव के राष्ट्रपति द्वारा चुनाव के लिए एपस्टीन से गुहार, आदि के ऐसे असंख्य किस्से हैं, जिससे मालूम होता है कि दुनिया वैसे ही चलती हुई है जैसे भारत में लुटियन दिल्ली के नेटवर्क रहे है। बावजूद एपस्टीन ने सालों तक जितना बड़ा यौन तस्करी नेटवर्क चलाया है तथा वह देशों/शक्तिशाली व्यक्तियों से लगातार जुड़ा रहा, वह भूमंडलीकृत दुनिया से विकसित अजूबा था। ख़ासकर इसलिए कि वैश्विक मीडिया की सक्रियता के बावजूद कभी किसी को भनक नहीं लगी। एपस्टीन मूलतः पूंजीपति फ़ाइनेंसर था। वित्तीय करियर में उसने अमीर, शक्तिशाली और प्रसिद्ध लोगों के साथ सेक्स के ज़रिए वैश्विक सामाजिक नेटवर्क बनाया। 2008 में उसे कम उम्र की लड़कियों के साथ यौन गतिविधि के लिए अदालत ने दोषी ठहराया था। बावजूद इसके वह रूका, थमा नहीं। जेल से छूटने के बाद उसने रुतबा बनाया। 2019 में वह फ़ेडरल नाबालिग यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ। अदालत फ़ैसला सुनाने ही वाली थी कि उसने 2019 में जेल में आत्महत्या की। कैसा अजब मामला है जो अमेरिका की व्यवस्था यानी अदालत, संसद, मीडिया आदि से इस वैश्विक नेटवर्क की परतें तब खुलती हुई हैं, जब ट्रंप का पहला कार्यकाल था; या अब दूसरा कार्यकाल है। मेरा मानना है कि नई परतों की नई सुर्खियों ने ट्रंप को बैचेन तो किया होगा। तभी जिस दिन न्यायिक विभाग ने दस्तावेज़ सार्वजनिक किए, उसी दिन ध्यान बंटाने के लिए अमेरिकी पत्रकारिता का एक जाना-माना पत्रकार एक बेहूदा मामले में गिरफ्तार हुआ। सो, संभव है कि राष्ट्रपति ट्रंप नई सुर्खियों के लिए अचानक ईरान पर निशाना साधकर अपने सूरमा होने की नई सुर्खी बनाने की कोशिश करें।

मेष राशिः आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आप अपना नया व्यापार शुरु करेंगे, आप काम पूरे मन से करेंगे। आज नया अनुभव आप को मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा, आपका सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपका बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाइयों को छूएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी तथा आप खुद को ऊर्जावान और सकारात्मक महसूस करेंगे। अपने व्यक्तित्व को व्यवस्थित रखने के लिए आत्ममनन भी करना जरूरी है।

कर्क राशिः आज का दिन सुखमय रहेगा। आप में साहस बढ़ेगा और साहस पूर्ण काम करने में सक्षम रहेंगे। आपको गृह भूमि का लाभ मिलेगा। प्रभावशाली काम को करने का अवसर मिलेगा। जिन्दगी में आज नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा। धैर्य से काम करना होगा, जिससे काम का पूरा रिजल्ट मिलेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशियां लायेगा। आप घर पर लोगों के साथ अपना मत रखेंगे और अच्छा फल मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। पेट की समस्या के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से आप मिलेंगे, जिससे आपको कुछ राहत मिले। आपको व्यापारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन और अधिक खुशनुमा रहेगा। आप एक नयी दिशा में अपना काम करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार दोस्तों से करेंगे, आपको अच्छी सलाह मिलेगी। अन्न धन में बढ़ोतरी होगी। आप जिस पद पर कार्यरत है उस पद से पदोन्नति होगी। नयी दिशा में काम करेंगे जिससे आपकी योजना को बढ़ावा मिलेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी आज बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आज गुस्से की बजाए शांति से समस्या सुलझाएं, क्योंकि घर की व्यवस्था उचित बनाए रखने में आपसी सामंजस्य होना बहुत जरूरी है। आज सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियां बढ़ेगी। आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा। जिससे समस्या का समाधान भी मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। आज आपके काम करने की कला से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आपका समय अपनों के साथ अच्छा बीतेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यावसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है। साथ ही कर्मचारियों तथा स्टाफ पर भी अनुशासन रखेंगे।

मकर राशिः आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। पारिवारिक सुख-सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। आज आप फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे, गौ सेवा करने से सुख मिलेगा और सानिध्य बढ़ेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। निश्चित ही सफलता मिलेगी। पार्टनरशिप संबंधी प्रपोजल भी आ सकता है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा।

महाशिवरात्रिः शिव-शक्ति के दिव्य मिलन का महापर्व

उदय कुमार सिंह

सनातन संस्कृति में महाशिवरात्रि का अत्यंत विशिष्ट और गूढ़ महत्व है। हिंदू धर्म में फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व भगवान शिव की आराधना, तपस्या और साधना का सबसे बड़ा उत्सव माना जाता है। महाशिवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि यह आत्मिक शुद्धि, आध्यात्मिक जागरण और शिव-शक्ति के दिव्य मिलन का प्रतीक भी है। इस पावन अवसर पर देश-विदेश के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। "बम-बम भोले" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो जाता है। भक्त व्रत रखते हैं, रात्रि जागरण करते हैं और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। शिव और शक्ति ब्रह्मांड के मूल सत्य का प्रतीक वास्तव में शिव और शक्ति का संबंध केवल देव–देवी का नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के मूल सत्य का प्रतीक है। शिव शुद्ध चेतना हैं, वह मौन हैं, स्थिर हैं, असीम हैं। शक्ति उस चेतना की सक्रिय ऊर्जा हैं, जो सृष्टि को गति देती है, आकार देती है और परिवर्तन का कारण बनती है। शिव बिना शक्ति के शव के समान माने गए हैं और शक्ति बिना शिव के दिशाहीन ऊर्जा। इसी कारण कहा गया है कि शिव और शक्ति अलग नहीं, एक ही तत्व के दो स्वरूप हैं। शिव को पुरुष तत्व कहा गया है, जो साक्षी भाव में स्थित रहते हैं। वह न सृजन करते हैं, न संहार की इच्छा रखते हैं, केवल सबकुछ होते हुए देखते हैं। वहीं शक्ति स्त्री तत्व हैं, जो इच्छा, ज्ञान और क्रिया की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। शक्ति ही ब्रह्मा से सृष्टि कराती हैं, विष्णु से पालन कराती हैं और रुद्र से संहार कराती हैं। अर्धनारीश्वर का स्वरूप शिव–शक्ति की अद्भुत एकता का सबसे गहरा प्रतीक है। इस रूप में आधा शरीर शिव का और आधा शक्ति का होता है, जो यह दर्शाता है कि पुरुष और स्त्री, स्थिरता और गति, ज्ञान और क्रिया सब एक ही सत्य के अभिन्न भाग हैं। यह रूप यह भी सिखाता है कि संतुलन के बिना सृष्टि संभव नहीं। तंत्र शास्त्र में शक्ति को कुंडलिनी के रूप में माना गया है, जो मानव शरीर में मूलाधार में सुप्त अवस्था में रहती हैं। जब साधना द्वारा यह शक्ति जाग्रत होकर सहस्रार तक पहुंचती है, तब वह शिव से मिलन करती है। यही मिलन आत्मज्ञान, समाधि और मोक्ष का द्वार खोलता है। इसीलिए कहा गया है कि साधना में शक्ति का जागरण और शिव में लय होना ही अंतिम लक्ष्य है। शिव विनाश के देवता नहीं बल्कि परिवर्तन के अधिपति हैं और शक्ति केवल माया नहीं बल्कि चेतना को व्यक्त करने वाली दिव्य शक्ति हैं। जब जीवन में स्थिरता आती है तो शिव का तत्व कार्य करता है और जब

परिवर्तन आता है तो शक्ति सक्रिय होती हैं। हर श्वास में शक्ति है और हर शांति में शिव। शिव और शक्ति का रहस्य यह सिखाता है कि संसार में जो भी द्वैत दिखाई देता है, वह वास्तव में एक ही सत्य का विस्तार है। जब साधक इस सत्य को अनुभव कर लेता है, तब बाहर शिव की खोज समाप्त हो जाती है और भीतर शक्ति जाग्रत होकर स्वयं शिव का साक्षात्कार करा देती।

शिव-शक्ति के मिलन की रात्रि- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि वह पावन रात्रि है जब देवों के देव महादेव और जगत जननी माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। इसी कारण इस पर्व को शिव और शक्ति के मिलन की रात्रि कहा जाता है। शिव को पुरुष तत्व और शक्ति को प्रकृति का स्वरूप माना गया है। इन दोनों का मिलन ही सृष्टि के सृजन, संतुलन और संचालन का आधार है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु इस दिन श्रद्धा, नियम और संयम के साथ शिवपूजन, जप, तप और व्रत करता है, उस पर भगवान शिव और माता पार्वती दोनों की विशेष कृपा बरसती है। ऐसे भक्तों के जीवन से रोग, शोक, दरिद्रता और मानसिक कष्ट दूर होते हैं तथा सुख-समृद्धि का वास होता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से महाशिवरात्रि का महत्व- महाशिवरात्रि का महत्व केवल पौराणिक या धार्मिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक भी है। योग और तंत्र शास्त्रों के अनुसार, यह वह रात्रि होती है जब ब्रह्मांडीय ऊर्जा अपने उच्चतम स्तर पर होती है। इस रात्रि में की गई साधना, ध्यान और मंत्र जाप साधक को विशेष आध्यात्मिक सिद्धि प्रदान करता है। इसी कारण महाशिवरात्रि पर रात्रि जागरण का विशेष विधान बताया गया है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस रात्रि में जागरण कर भगवान शिव का ध्यान करने से आत्मा का शुद्धिकरण होता है और मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है।

फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को ही क्यों मनाई जाती है महाशिवरात्रि- अनेक लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को ही महाशिवरात्रि क्यों कहा जाता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, वर्ष के प्रत्येक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि आती है, जिसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। लेकिन फाल्गुन मास की शिवरात्रि को सभी शिवरात्रियों में श्रेष्ठ माना गया है। इसका प्रमुख कारण यह है कि इसी तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इसके अतिरिक्त यह भी मान्यता है कि इसी रात्रि भगवान शिव ने शिवलिंग स्वरूप में स्वयं को प्रकट किया था। इन्हीं कारणों से इसे साधारण शिवरात्रि न कहकर महाशिवरात्रि कहा गया।

त्रिकालीन विवाह और निशीथ काल का महत्व- हिंदू धर्म में रात्रिकालीन विवाह मुहूर्त को अत्यंत शुभ माना गया है। भगवान शिव का विवाह भी देवी पार्वती से रात्रि के समय ही हुआ था। जिस दिन फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि मध्यरात्रि यानी निशीथ काल में होती है, उसी दिन महाशिवरात्रि मनाने की परंपरा है। निशीथ काल को शिव साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ समय माना गया है। इस काल में की गई पूजा, जप और अभिषेक से शीघ्र फल की प्राप्ति होती है और साधक को विशेष आध्यात्मिक लाभ मिलता है।

महाशिवरात्रि 2026ः तिथि और पंचांग विवरण- पंचांग के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 15 फरवरी 2026 को सायं 05ः04 बजे होगा, जबकि इस तिथि का समापन 16 फरवरी 2026 को प्रातः 05ः34 बजे होगा। इस प्रकार वर्ष 2026 में महाशिवरात्रि का पर्व रविवार, 15 फरवरी 2026 को मनाया जाएगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत-पाक महामुकाबला आजः विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग

एजेंसी, कोलंबो

क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ

आईपीएल करार रद्द कर दिया गया। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की घोषणा कर दी थी। हालांकि खिलाड़ियों ने इसे "सिर्फ एक मैच" बताकर हाइप कम करने की कोशिश की, मगर भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता ऐसी है कि हार किसी भी टीम को मंजूर नहीं क्योंकि उसके बाद प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही तीखी होती है।

जीत से कम कुछ नहीं मंजूर

भारतीय टीम की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की उपलब्धता है, जो पेट संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहे और नामीबिया मैच में नहीं खेले। उनके नहीं खेलने पर संजू सैमसन को उतारने या फिर ईशान किशन के साथ वॉशिंगटन सुंदर को ओपनिंग में भेजने का विकल्प है, जो न केवल फिट हो चुके हैं, बल्कि प्रेमदासा की धीमी पिच पर उपयोगी स्पिनर भी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा पिच को देखते हुए कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है खासकर बाबर आजम के खिलाफ उनके सफल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है।

विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा। जो टीम बाहरी और भीतर दोनों तरह के तनाव को काबू में रखेगी, वही आज की असली जंग जीतेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरूण चक्रवर्ती।

पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठाना पड़ा : ईशान किशन

एजेंसी, नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही। मुकाबले

के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उनके व्यवहार की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब उन्होंने अपने रवैये और खेल पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने आचरण में बदलाव किया और

» बदला रवैया बना फैंस और टीम के लिए बड़ी राहत

अब अधिकांश समय बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर फोकस करते हैं। किशन ने बताया कि वह केवल कुछ घंटे हल्के मूड में रहते हैं, बाकी समय पूरी निष्ठा से अपने खेल पर काम करते हैं। किशन ने यह भी बताया कि अब वह जल्दबाजी से बचने की कोशिश कर रहे हैं और एक-दो रन लेने पर उतना ही ध्यान देते हैं जितना बड़े शॉट खेलने पर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बार खिलाड़ी उत्साह में गलत शॉट खेल बैठते हैं, लेकिन किशन खुद को शांत रखने और गेंद पर नजर जमाए रखने की रणनीति अपनाते हैं।

एटीपी दिल्ली ओपनः डेविस कप खिलाड़ी करण सिंह और मानस धमने को सिंगल्स वाइल्डकार्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन (डीएलटीए) कॉम्प्लेक्स में 16 फरवरी से शुरू हो रहे एटीपी दिल्ली ओपन के लिए एसोसिएशन ने सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के वाइल्डकार्ड की घोषणा कर दी है। भारतीय डेविस कप खिलाड़ी करण सिंह और युवा प्रतिभा मानस धमने को मुख्य ड्रॉ में वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके अलावा दिग्विजय प्रताप सिंह को भी मुख्य ड्रॉ में स्थान मिला है, जबकि चार खिलाड़ियों को क्वालिफाइंग सिंगल्स वाइल्डकार्ड प्रदान किए गए हैं। करण सिंह को हाल ही में बेंगलुरु में खेले गए डेविस कप मुकाबले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने का इनाम मिला है। डेविस कप में उनके योगदान और पेशेवर सर्किट पर निरंतर अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यह अवसर दिया गया है। भारतीय टेनिस के उभरते सितारे

18 वर्षीय मानस धमने लगातार अपने खेल से प्रभावित कर रहे हैं। दिल्ली ओपन उनके लिए उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने और महत्वपूर्ण अनुभव हासिल करने का बेहतरीन मंच साबित होगा। दिग्विजय प्रताप सिंह, जो हालिया डेविस कप टाई में भारतीय टीम के रिजर्व सदस्य थे, को भी मुख्य ड्रॉ वाइल्डकार्ड देकर सम्मानित किया गया है। यह चयन घरेलू सर्किट में उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन और टीम में उनकी भूमिका को मान्यता देता है। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने चयन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह फैसला हालिया योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ भारतीय टेनिस के भविष्य में निवेश की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा कि करण सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह ने डेविस कप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि मानस धमने देश के सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्हें ऐसे बड़े टूर्नामेंट में अवसर देना जरूरी है। इसके अतिरिक्त, नितिन कुमार सिन्हा, इशाक इकबाल, उदित कंबोज और डेनिस येवसेयेव को क्वालिफाइंग सिंगल्स वाइल्डकार्ड प्रदान किए गए हैं। ये खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए क्वालिफाइंग मुकाबलों में उतरेंगे। दिल्ली ओपन भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक अहम मंच बना हुआ है, जहां वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला कर रैंकिंग अंक और मूल्यवान मैच अनुभव अर्जित करते हैं। मुख्य ड्रॉ के मुकाबले 16 फरवरी से डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में शुरू होंगे।

सेरी एः लुका मोड्रिच के विजयी गोल से एसी मिलान ने पीसा एससी की 2-1 से हराया

एजेंसी, पीसा

इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सेरी ए में लुका मोड्रिच ने 85वें मिनट में निर्णायक गोल कर एसी मिलान को निचले पायदान की टीम पीसा एससी पर 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ मिलान ने अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से अंतर कम कर लिया। मुकाबला एरीना गैरीबाल्डी स्टेडियम में खेला गया। 24 मैचों में 53 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिलान अब इंटर से पांच अंक पीछे है। इंटर शनिवार को चौथे स्थान की टीम जुवेंटस की मेजबानी करेगा। मिलान के लिए रूबेन लॉफ्टस-चीक ने भी गोल किया। हालांकि टीम को एड्रियन राबियो को दूसरे पीले कार्ड के कारण लाल कार्ड मिलने से अंत में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। पीसा के लिए फेलिपे लोयोला ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया था। मिलान को पेनल्टी का अवसर भी मिला, लेकिन निक्लास फुलक्रुग

स्पॉट किक को गोल में तब्दील नहीं कर सके। 40 वर्षीय मोड्रिच ने अंततः मैच के अंतिम पांच मिनट में बॉक्स के अंदर मिले मौके को गोल में बदलकर टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। मिलान ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई, जब जैचरी एथेकामे के दाएं छोर से आए शानदार क्रॉस पर लॉफ्टस-चीक ने हेडर से गेंद को जाल में पहुंचाया। 71वें मिनट में लोयोला ने 12 मीटर की दूरी से सटीक शॉट लगाकर पीसा को बराबरी दिलाई, जो क्लब के लिए उनका पहला गोल था। हार के बाद पीसा 25 मैचों में 15 अंकों के साथ निचले स्थान पर बना हुआ है और सुरक्षित क्षेत्र से छह अंक पीछे है।

प्रेमदासा की पिच पर 'मिस्ट्री स्पिनरों' का दबदबा तय, वरुण चक्रवर्ती और उसमान तारिक पर नजरें

एजेंसी, कोलंबो

टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच प्रेमदासा स्टेडियम में हुए हालिया मुकाबले ने भारत और पाकिस्तान के 'मिस्ट्री स्पिनरों' के हौसले बुलंद कर दिए हैं। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने इस मैच में धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया। पिच पर गेंद धीमी रहने और बल्लेबाजों को परेशान करने वाली उछाल ने रविवार को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले का रोमांच और बढ़ा दिया है। ऐसे में यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं कि भारत के वरुण चक्रवर्ती और पाकिस्तान के अबरार अहमद तथा उसमान तारिक इस पिच पर कितना प्रभाव छोड़ सकते हैं। वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाज़ी पिछले साल आईपीएल के दौरान काफी निखरी है। उनकी 'साइडस्पिन' से 'ओवरस्पिन' में बदलाव और औसतन 95 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उन्हें अन्य स्पिनरों से अलग बनाती है। हालांकि प्रेमदासा की यह धीमी पिच उन्हें अपनी गति कम करने के लिए मजबूर कर सकती है। भारत के पूर्व स्पिनर सुनील जोशी का कहना है कि चक्रवर्ती की सबसे बड़ी ताकत उनकी लेंथ है। उनके मुताबिक इस लेंथ के कारण बल्लेबाज़ आसानी से पीछे हटकर बड़े शॉट नहीं खेल सकते, और यही बात उन्हें बाबर आज़म जैसे बल्लेबाज़ों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण बनाती है। बाबर पहले भी उनकी गेंदबाज़ी के खिलाफ संघर्ष करते देखे गए हैं और

हाल ही में अमेरिका के खिलाफ उनकी हिचकिचाहट भी साफ़ दिखी थी। पाकिस्तान के पास चक्रवर्ती का जवाब उस्मान तारिक के रूप में हो सकता है। तारिक का 'पॉज एंड स्लिंग' एक्शन पहले ही काफी चर्चा बटोर चुका है और कई लोग उनके एक्शन में श्रीलंका के लसिथ मलिंगा की झलक देखते हैं। पाकिस्तान सुपर लीग में उनकी टीम क्वेटा ग्लैडिएटर्स के मैनेजर नबील हाशमी का कहना है कि तारिक का लो-रिलीज़ एक्शन बल्लेबाज़ों के लिए उन्हें हिट करना बेहद कठिन बना देता है। हाशमी के अनुसार तारिक एक मैच्योर खिलाड़ी हैं, जो बल्लेबाज़ों को बारीकी से पढ़ते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी नियंत्रण बनाए रखते हैं। दूसरी ओर, अबरार अहमद को भले ही कम आंका गया हो, लेकिन यह लेग स्पिनर प्रेमदासा की पिच पर खासा खतरनाक साबित हो सकता है। अपनी गुगली और कैरम बॉल के लिए मशहूर अबरार के 49 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेटों में से 34 इन्हीं दो गेंदों के कारण आए हैं।

व्यापार

ड्यूरोफ्लेक्स समेत 5 कंपनियों के IPO को सेबी की मंजूरीःफ्रेश इश्यू और OFS से फंड जुटाएंगी; प्रीमियर इंडस्ट्रियल और हेक्सागन न्यूट्रिशन भी शामिल

मुंबई। सेबी ने ड्यूरोफ्लेक्स और हेक्सागन न्यूट्रिशन समेत कुल 5 कंपनियों के पब्लिक इश्यू को हरी झंडी दे दी है। 13 फरवरी को सेबी ने इन कंपनियों के ड्राफ्ट पेपर्स पर अपनी 'ऑब्जर्वेशन' जारी की। अब ये कंपनियां अगले कुछ महीनों में अपना आईपीओ बाजार में उतार सकेंगी।

जिन 5 कंपनियों को मंजूरी मिली है उनमें प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, विरूपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागन न्यूट्रिशन, ओम पावर ट्रांसमिशन और मैट्रेस ब्रांड ड्यूरोफ्लेक्स शामिल हैं। ये कंपनियां फ्रेश शेयर जारी करने और ऑफर फॉर सेल के जरिए रकम जुटाएगी।

1. ड्यूरोफ्लेक्सः ये 183.6 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा मौजूदा निवेशक और प्रमोटर्स OFS के जरिए 2.25 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। इस फंड का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को चुकाने और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने में कर सकती है। यह स्लीप सॉल्यूशंस कंपनी है, जो मुख्य रूप से मैट्रेस, फोम, बेड और पिलो बनाती है। यह ऑर्थोपेडिक गद्दों के लिए काफी मशहूर है। करीब 50 साल से इस सेक्टर में काम कर रही है।

2. विरूपाक्ष ऑर्गेनिक्सः यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा। कंपनी की योजना 740 करोड़ रुपए जुटाने की है। यानी इस आईपीओ से मिलने वाला पैसा कंपनी के पास जाएगा और इसका इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल और कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह एक रिसर्च बेस्ड फार्मास्युटिकल कंपनी है। यह मुख्य रूप से एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स (API) और इंटरमीडिएट्स बनाती है, जिसका इस्तेमाल दवाइयों में होता है। विरूपाक्ष ऑर्गेनिक्स मुख्य रूप से एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स (API) और इंटरमीडिएट्स बनाती है। विरूपाक्ष ऑर्गेनिक्स मुख्य रूप से एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स (API) और इंटरमीडिएट्स बनाती है।

3. प्रीमियर इंडस्ट्रियलः यह अपने आईपीओ में 2.25 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। साथ ही 54 लाख शेयरों का ऑफर

फॉर सेल भी होगा। यह कंपनी वेल्डिंग इंडस्ट्री के लिए रॉ मटेरियल जैसे फेरो अलॉय पाउडर, मेटल पाउडर और अलग-अलग तरह के वायर बनाती है।

4. ओम पावरः ओम पावर ट्रांसमिशन की बात करें तो कंपनी 90 लाख नए शेयर जारी करेगी, जबकि 10 लाख शेयर प्रमोटर्स बेचेंगे। यह एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कॉन्ट्रैक्टिंग कंपनी है। यह पावर ट्रांसमिशन लाइनों, सब-स्टेशनों के निर्माण और उनके रखरखाव का काम करती है।

5. हेक्सागन न्यूट्रिशनः हेक्सागन न्यूट्रिशन का आईपीओ पूरी तरह से OFS होगा। कंपनी के मौजूदा शेयरहोल्डर्स 3.08 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। इसमें कंपनी के पास कोई नया फंड नहीं आएगा। पुराने निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचकर बाहर निकलेंगे या मुनाफा कमाएंगे। यह कंपनी बच्चों के लिए हेल्थ ड्रिंक्स और क्लिनिकल न्यूट्रिशन फूड बनाती हैं। इसके अलावा यह दूसरी बड़ी कंपनियों (जैसे अमूल, डाबर) को न्यूट्रिशनल प्रीमिक्स की सप्लाई भी करती है। हेक्सागन न्यूट्रिशन बच्चों के लिए हेल्थ ड्रिंक्स और क्लिनिकल न्यूट्रिशन फूड बनाती हैं। हेक्सागन न्यूट्रिशन बच्चों के लिए हेल्थ ड्रिंक्स और क्लिनिकल न्यूट्रिशन फूड बनाती हैं।

सेबी की मंजूरी का क्या है मतलब- जब भी कोई कंपनी बाजार से पैसा जुटाना चाहती है, तो उसे सेबी के पास DRHP जमा करना होता है। सेबी इसकी जांच करता है कि क्या कंपनी ने निवेशकों को सही जानकारी दी है। सेबी की 'ऑब्जर्वेशन' मिलने का मतलब है कि रेगुलेटर को अब इसमें कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद कंपनियां आईपीओ की तारीख और प्राइस बैंड तय करती हैं।

रिलायंस अब सीधे वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदेगाःदावा- अमेरिका ने दी लाइसेंस की मंजूरी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से लाइसेंस मिल गया है। सूत्रों के अनुसार इस मंजूरी के बाद देश की सबसे बड़ी प्राइवेट रिफाइनर कंपनी अब बिना किसी बिचौलिए के वेनेजुएला से ज्यादा मात्रा में कच्चा तेल इम्पोर्ट कर सकेगी। हालांकि रिलायंस की ओर से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। अमेरिका के साथ हुई हालिया ट्रेड डील के बाद यह खबर आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रेड डील का ऐलान करते हुए कहा था कि भारत ने रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद करने का वादा किया है।

जामनगर रिफाइनरी के लिए वेनेजुएला का तेल बढ़िया- मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज गुजरात के जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स चलाती है। सूत्रों के मुताबिक, जनवरी के आखिर में अमेरिका ने रिलायंस सहित कुछ

अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को वेनेजुएला से सीधे तेल खरीदने की अनुमति दी है। वेनेजुएला का कच्चा तेल भारी कैटेगरी का होता है। जामनगर रिफाइनरी की बनावट ऐसी है कि वहां इस तरह के भारी तेल को प्रोसेस करना आसान और किफायती होता है। इससे कंपनी का प्रॉफिट मार्जिन बढ़ेगा।

सरकार ने कंपनियों को अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदने को कहा- इससे पहले ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत सरकार ने देश की सरकारी तेल कंपनियों से कहा है कि वे अब अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने पर विचार करने को कहा है। अमेरिका के साथ हुई हालिया ट्रेड डील के बाद यह निर्देश आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रेड डील का ऐलान करते हुए कहा था कि भारत ने रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद करने का वादा किया है।

अमेरिका से तेल का आयात लगभग दोगुना करने का लक्ष्य- रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय रिफाइनर हर साल अमेरिका से करीब 4 लाख बैरल प्रतिदिन तेल ले सकते हैं। यह पिछले साल के 2.25 लाख बैरल प्रतिदिन के मुकाबले काफी ज्यादा होगा। हालांकि, ये कीमत और रूस के साथ कूटनीतिक संबंधों पर टिका है। फिलहाल पेट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कंपनियों ने इस मामले में आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

भारत ने 2019 के बाद वेनेजुएला से तेल लेना बंद कर दिया था- अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर सेंक्शंस लगा दिए थे। इस वजह से भारत समेत कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया था।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद गिरावट

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार तक समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया। सप्ताह की शुरुआत में सकारात्मक आर्थिक संकेत और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों की उम्मीद से निवेशकों का मनोबल ऊंचा रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक वैश्विक कमजोर संकेतों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी संभावित व्यवधानों की चिंताओं के कारण बाजार ने गिरावट दर्ज की। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। विदेशी निधियों के प्रवाह और एशियाई बाजारों की मजबूती ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 415.97 अंक बढ़कर 83,996.37 पर पहुंचा,

जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.05 अंक बढ़कर 25,819.75 पर पहुंच गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 485.35 अंक की बढ़त के साथ 84,065.75 पर और निफ्टी 173.60 अंक की बढ़त के साथ 25,867.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार की गति बनी रही। एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आशावाद ने निवेशकों का उत्साह बनाए रखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 247.01 अंक बढ़कर 84,312.76 पर और निफ्टी 80.25 अंक बढ़कर 25,947.55 पर पहुंच गया। बुधवार को बाजार में शुरुआती तेजी देखी गई, सेंसेक्स 213.42 अंक बढ़कर 84,487.34 पर और निफ्टी 74.25 अंक बढ़कर 26,009.40 पर पहुंच गया। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफा लेने की प्रवृत्ति ने दोनों सूचकांकों में अस्थिरता ला दी। दिन के अंत में सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 पर और निफ्टी 18.70 अंक बढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में तेज गिरावट देखी गई। कमजोर वैश्विक संकेतों और एआई से जुड़े व्यवधानों की बढ़ती चिंताओं के कारण निवेशकों की भावना नकारात्मक रही।

सोना इस हफ्ते 687 महंगा, 1.52 लाख पर पहुंचाःचांदी 2,496 सस्ती हुई, 2,42 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने की कीमत मामूली बढ़त और चांदी के दाम में गिरावट रही। सोने के दाम शुक्रवार 13 फरवरी को 687 रुपए बढ़कर 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। इससे पहले ये बीते हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन यानी 6 फरवरी को ये 1,52,078 रुपए पर थे। वहीं, चांदी की कीमत 2,496 रुपए गिरकर 2,42,433 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले 6 फरवरी को इसकी कीमत 2,44,929 रुपए प्रति किलो थी। हालांकि, इस हफ्ते में 11 फरवरी को सोना 1,57,322 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,66,449 रुपए प्रति किलो पहुंच गया था।

44 दिन में सोना 19,570 और चांदी 12,013 महंगी हुई- इस साल अब तक सोने की कीमत 19,570 रुपए बढ़ चुकी है।

31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,52,765 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 12,013 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,42,433 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई- 2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यानः-

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

भारत-अमेरिका समझौते से ऊर्जा की जरूरतें पूरी होंगी, प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलेगा कच्चा तेलः गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यहां कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता देश की ऊर्जा जरूरतों को भी शामिल करेगा। इससे भारत को कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर हासिल करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि इस समझौते में किसानों के सभी हितों को पूरी तरीके से सुरक्षित रखा गया है। गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है और सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत प्रस्तावित 500 अरब डॉलर के व्यापार में कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी भारत की ऊर्जा जरूरतें भी शामिल होंगी। गोयल ने कहा, "भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और इसकी ऊर्जा मांग प्रतिवर्ष लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। आयात बढ़ाने और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या अधिक होने से कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर प्राप्त किया जा सकेगा।" उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने पिछले हफ्ते एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति की घोषणा की थी। इसके तहत कई वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती कर द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है, जबकि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पर आयात शुल्क खत्म कर देगा या उसमें कटौती करेगा।

शालिनी पांडे की सीरीज बैंडवाले का ट्रेलर जारी, डीजे साइको बनकर छाए जहान कपूर

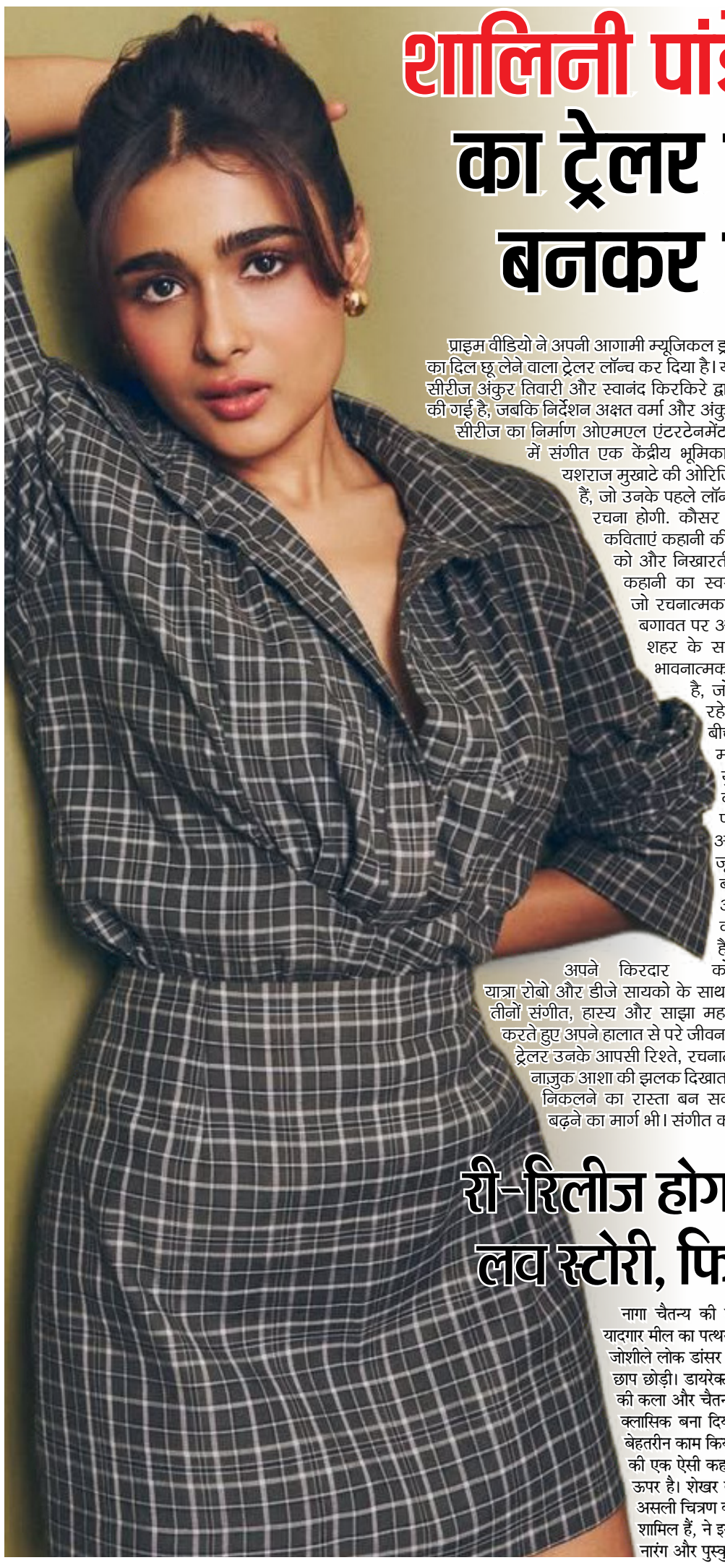

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी म्यूजिकल ड्रामेडी सीरीज बैंडवाले का दिल छू लेने वाला ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। यह प्राइम ओरिजिनल सीरीज अंकुर तिवारी और स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखी और तैयार की गई है, जबकि निर्देशन अक्षत वर्मा और अंकुर तिवारी ने किया है। सीरीज का निर्माण ओएमएल एंटरटेनमेंट कर रहा है। कहानी में संगीत एक केंद्रीय भूमिका निभाता है, जिसमें यशराज मुखाटे की ओरिजिनल रचनाएं शामिल हैं, जो उनके पहले लॉन्ग फॉर्मेट सीरीज की रचना होगी. कौसर मुनिर की खूबसूरत कविताएं कहानी की भावनात्मक गहराई को और निखारती हैं। ट्रेलर एक ऐसी कहानी का स्वर स्थापित करता है जो रचनात्मकता, दोस्ती और शांत बगावत पर आधारित है, और छोटे शहर के सपने देखने वालों की भावनात्मक धड़कन को पकड़ता है, जो अपनी आवाज़ ढूंढ रहे हैं। रतलाम के बीचों-बीच सिथ्त, बैंडवाले में मरियम नाम की एक युवा कवियत्री की कहानी है, जो अपनी पहचान, आज़ादी और अपनेपन के सवालों से जूझते हुए बिना नाम बताए अपनी रचनाएँ ऑनलाइन शेयर करना शुरू करती है। जहान कपूर ने अपने किरदार को लेकर कहा, उसकी यात्रा रोबो और डीजे सायको के साथ आगे बढ़ती है, जहां तीनों संगीत, हास्य और साझा महत्वाकांक्षा पर भरोसा करते हुए अपने हालात से परे जीवन की कल्पना करते है। ट्रेलर उनके आपसी रिश्ते, रचनात्मक बेचैनी और उस नाज़ुक आशा की झलक दिखाता है कि कला न केवल निकलने का रास्ता बन सकती है, बल्कि आगे बढ़ने का मार्ग भी। संगीत कहानी के भावनात्मक

पहलू को आगे बढ़ाता है और स्वयं कथा का एक अभिन्न हिस्सा बन जाता है। डीजे सायको कुछ हद तक रहस्यपूर्ण किरदार है, रतलाम में हर तरह के अजीबो -गरीब काम करता है, वह गहराई से महसूस करता है लेकिन अपनी भावनाओं को बीट्स और साउंड के ज़रिए सहयोगात्मक संगीत में व्यक्त करता है, वह हमेशा लो प्रोफ़ाइल में रहकर काम पर ध्यान देने की कोशिश करता है, लेकिन तब तक जब तक वह मरियम से नहीं मिलता, और बेशक रोबो से भी। वह उनके जीवन में पूरी तरह शामिल हो जाता है, और उसका पिछला जीवन कोने में किसी छाया की तरह मंडराता रहता है। उन्होंने कहा, उसे निभाना मेरे लिए बेहद मुक्तिदायक अनुभव था क्योंकि इसने मुझे संगीत और साउंड डिज़ाइन से जुड़े नए भावनाओं और रिश्तों का पता लगाने की अनुमति दी। अंकुर तिवारी, स्वानंद किरकिरे, अक्षत वर्मा और प्राइम वीडियो व ओएमएल द्वारा तैयार की गई पूरी टीम के साथ काम करना वास्तव में एक समृद्ध अनुभव रहा। शालिनी पांडे ने कहा, मरियम वह व्यक्ति है जो लगातार अपने भीतर की भावनाओं और दुनिया की उससे अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है। कविता उसके लिए सबसे ईमानदार अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाती है, एक ऐसा स्थान जहाँ वह बिना डर या अनुमति के अपने आप को सहज रूप में व्यक्त कर सकती है। उसे निभाना मेरे लिए एक बेहद व्यक्तिगत यात्रा रही, जिसमें मैंने मौन, संयम और अपनी आवाज़ को धीरे-धीरे खोजने के साहस को समझा। बैंडवाले में मुख्य भूमिकाओं में शालिनी पांडे, ज़हान कपूर, स्वानंद किरकिरे, संजना दीपू, आशिष विद्यार्थी, और अनूपमा कुमार शामिल हैं। सीरीज का प्रीमियर 13 फरवरी को प्राइम वीडियो पर होगा, और यह भारत के साथ-साथ दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से उपलब्ध होगी।

'बॉर्डर 2 का नहीं थम रहा तूफान, 20वें दिन की कमाई भी रही धमाकेदार

अनुराग सिंह के डायरेक्शन में बनी सनी देओल-वरुण धवन स्टारर 'बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर थकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म जल्द ही अपनी रिलीज़ के चौथे हफ्ते में एंटर करने वाली है उससे पहले इसने दमदार कलेक्शन कर लिया है. यहां तक कि तीसरे मंगलवार को इस फिल्म ने जबरदस्त उछाल दिखाते हुए तगड़ी कमाई भी की. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे बुधवार को यानी 20वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'बॉर्डर 2 1997 की आइकॉनिक वॉर ड्रामा बॉर्डर की सीक्वल है और इसमें दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी लीड रोल में हैं. बता दें कि 23 जनवरी 2026 को रिलीज़ हुई 'बॉर्डर 2 रिपब्लिक डे की छुट्टी वाले हफ्ते में दुनियाभर में रिलीज हुई थी और इसे ज़बरदस्त ओपनिंग मिली थी. पहले दिन फ़िल्म ने 30 करोड़ कमाए. इसके बाद रविवार को इसका कलेक्शन बढ़कर 54.5 करोड़ और फिर सोमवार को रिपब्लिक डे के मौके पर 59 करोड़ रुपये हो गया. इन शुरुआती आंकड़ों ने पहले हफ्ते की अच्छी कमाई का माहौल बनाने में मदद की और इसने फर्स्ट वीक में 24.4 करोड़ की बटोर लिए. इसके बाद दूसरे हफ्ते की कमाई 70.15 करोड़ रुपये रही. वहीं इसके बाद तीसरे हफ्ते में इसने तीसरे फ्राइडे 2.85 करोड़, तीसरे शनिवार 5.25 करोड़, तीसरे रविवार 7.25 करोड़, तीसरे सोमवार 2 करोड़ और तीसरे मंगलवार 2.5 करोड़ कमाए. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2 ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 1.75 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'बॉर्डर 2 की 20 दिनों की कुल कमाई अब 316 करोड़ रुपये हो गई है. 'बॉर्डर 2 रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी ठीक कमाई कर रही है. इसने 20 दिनों में 315 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और अब इसकी नजरें 350 करोड़ पर टिकी हैं. इसके लिए इसे अभी उम्मीद है कि चौथे वीकेंड पर तेजी दिखाते हुए फिल्म ये आंकड़ा भी पार कर लेगी. हालांकि इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में शाहिद कपूर की ओ रोमियो भी रिलीज हो रही है. इस फिल्म के आने से 'बॉर्डर 2 की कमाई पर काफी असर पड़ेगा और शोज भी कम हो जाएंगे. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि 'बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई और कर पाती है. 'बॉर्डर 2 जिसे अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है और टी-सीरीज़ और जेपी फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है, ये जेपी दत्ता की 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है. मेन लीड कास्ट के अलावा, फिल्म में मोना सिंह, सोनम बाजवा, अन्या सिंह और मेधा राणा भी हैं. इस वॉर ड्रामा को जे.पी. दत्ता की बेटी निधि दत्ता और भूषण कुमार ने प्रोड्यूस किया है.मेकर्स ने फिल्म की कमाई को ज़्यादा से ज़्यादा करने के लिए रिपब्लिक डे की छुट्टी वाले वीकेंड का फायदा उठाया. 199 मिनट की यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ हुई थी. रानी मुखर्जी की हालिया रिलीज फिल्म 'मर्दानी 3 भी बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. रानी की पावर पैक्ड परफॉर्मेंस के चलते ये फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को खींचने में कामयाब रही है और इसकी कमाई शानदार रही है. फिल्म के 13वें दिन के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'मर्दानी 3 ने दूसरे बुधवार को 1.10 करोड़ का कलेक्शन किया है.

री-रिलीज होगा नागा चैतन्य-साई पल्लवी की लव स्टोरी, फिर से सिनेमाघरों में देगी दस्तक

नागा चैतन्य की लव स्टोरी उनके शानदार करियर में एक यादगार मील का पत्थर बनी हुई है। उन्होंने ग्रामीण तेलंगाना के एक जोशीले लोक डांसर का किरदार निभाया, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। डायरेक्टर शेखर कम्मुला की शानदार कहानी कहने की कला और चैतन्य की इमोशनल परफॉर्मेंस ने फिल्म को एक क्लासिक बना दिया।साई पल्लवी ने लीड एक्ट्रेस के तौर पर बेहतरीन काम किया, और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने प्यार की एक ऐसी कहानी बनाई जो जाति और वर्ग के भेदभाव से ऊपर है। शेखर कम्मुला द्वारा ग्रामीण तेलंगाना के जीवन का असली चित्रण कहानी में और गहराई लाया। फिल्म के साउंडट्रैक, जिसमें नी चित्रम चूसी और सारंगा दरिया जैसे हिट गाने शामिल हैं, ने इसके इमोशनल असर को और बढ़ा दिया। एसवीसीएलएलपी और एमिगोस क्रिएशन्स के नारायण दास के नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा प्रोड्यूस की गई लव स्टोरी, सच्चे प्यार की ताकत का सबूत है।

'दो दीवाने सहर में का ट्रेलर रिलीज, रोमांटिक फिल्म में जची मृणाल और सिद्धांत की शानदार केमिस्ट्री

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दो प्रेमियों की कहानी देखने को मिलती है। दोनों की पसंद अलग है, लेकिन फिर कैसे दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ते हैं और अंत में उनकी प्रेम कहानी किस मोड़ पर पहुंचती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा। ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (रोशनी) और सिद्धांत (शशांक) के किरदार अपनी-अपनी आदतों और पसंद के बारे में बताते हैं। इसके बाद ट्रेलर में देखने को मिलता है कि दोनों की शादी की बात होती है, जहां शशांक के घरवाले रोशनी के घर रिश्ता लेकर जाते हैं। दोनों के पेरेंट्स दोनों को शादी करने के लिए कहते हैं और कैसे बात करना है ये बताते हैं। शशांक 'श को 'स कहता है, जिसके चलते उसे पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शादी के लिए रोशनी शशांक को मना कर देती है। लेकिन बाद में दोनों एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं और उनके बीच प्यार पलने लगता है। फिर अचानक कुछ ऐसा होता है कि दोनों फिर अलग हो जाते हैं। अंत में क्या होता है, ये जानने के लिए फिल्म देखनी पड़ेगी। 1 मिनट 58 सेकंड के इस ट्रेलर में अरेंज मैरिज, प्यार और प्रोफेशनल लाइफ सभी पर बात की गई है। एक ओर जहां दिखाया जाता है कि प्रोफेशनल लाइफ में किस तरह की दिक्कतें आती हैं और मृणाल का किरदार जैसे हो, वैसे रहने की बात करता है। वहीं दूसरी ओर अरेंज मैरिज के लिए कैसे घर वाले दबाव बनाते हैं और कहते हैं, वो भी दिखाया गया है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी के बारे में काफी हद तक पता चलता है। फिल्म के गाने पहले से ही पसंद किए जा रहे हैं। अब देखने है कि फिल्म दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाती है। रवि उदयवार द्वारा निर्देशित 'दो दीवाने सहर में 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा नवीन कौशिक, इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता और आयशा रजा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि 'ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन—तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

सनम तेरी कसम 2 का बनना तय, फैंस को फिर दिखेगी हर्षवधर्न राणे की दीवानगी

हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन की फिल्म सनम तेरी कसम 2016 में रिलीज हुई थी जिसने लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल की। 2025 में जब इसे दोबारा रिलीज किया गया तो इसने लोगों तहलका ही मचा दिया। सिर्फ 3 दिनों में करीब 15 करोड़ से ज्यादा कारोबार कर लिया। फैंस बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं जिसके बनने की खबरें कई बार आईं, लेकिन निर्माता दीपक मुकुट ने सीक्वल की पुष्टि कर दी है। सनम तेरी कसम 2 के 10 साल पूरे होने पर निर्माता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे बचपन से फिल्म निर्माण में दिलचस्पी रही है। सबसे ज्यादा मुझे इस बात ने आकर्षित किया कि मैं एक निर्माता बनकर इसे साकार करने में मदद कर सकूं। सनम तेरी कसम के साथ मेरा यह सपना साकार हुआ। ईश्वर की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद से फिल्म रिलीज को 1 दशक पूरा हुआ, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका एक रीबूट आने वाला है। दीपक ने पोस्ट के

जरिए सनम तेरी कसम की पूरी टीम को धन्यवाद दिया। साथ ही फिल्म के सह-निर्देशक राधिका राव और विनय सप्रू और संगीतकार हिमेश रेशमिया को आभार जताया। उधर सनम तेरी कसम 2 की आधिकारिक पुष्टि ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, मैं फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, यह मेरी पसंदीदा फिल्म है। एक अन्य ने लिखा, क्या शानदार फिल्म है। अगला भाग तो सिनेमा में आग लगा देगा।

मनोज मांचू की 'डेविड रेड्डी की पहली झलक आई सामने, एक्शन अवतार में दिखे अभिनेता; ऐसी होगी फिल्म की कहानी

तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराय में विलेन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मनोज मांचू अब नई एक्शन पैक्ड फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी आगामी पैन इंडिया फिल्म 'डेविड रेड्डी की शूटिंग शुरू हो गई है। अब फिल्म की हिंदी झलक भी सामने आई है। जानिए क्या है फिल्म की कहानी... 2 मिनट 39 सेकंड के इस वीडियो में जमकर एक्शन देखने को मिलता है। फिल्म की कहानी 1897 से 1922 के समय पर आधारित है। इसलिए इसकी पहली झलक में भी सुभाष चंद्र बोस और ब्रिटिश साम्राज्य के बारे में सुनने को मिलता है। फर्स्ट ग्लिप्स में दिखाया गया है कि कैसे अंग्रेजों से मुकाबला करने के लिए एक फैक्ट्री में हथियार बनाए जा रहे हैं। इस अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाया गया है कि जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के बाद अंग्रेजों के खिलाफ भारतीयों में गुस्सा था। इन्हीं से मुकाबला करने के लिए डेविड रेड्डी नाम के एक व्यक्ति ने खुद हथियार बनाने की ठानी। फिल्म में मनोज मांचू को फुल एक्शन हीरो के अवतार में दिखाया गया है। फिलहाल अभी सिर्फ फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है।

हनुमा रेड्डी यक्कंती द्वारा निर्देशित यह एक्शन पैक्ड फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की पहली झलक देखने के बाद फैंस अब मनोज मांचू को इस अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। मनोज मांचू इससे पहले तेजा सज्जा की मायथोलॉजिकल-सुपरनेचुरल फिल्म 'मिराय में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने निगेटिव भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी।

From Bihar's Champaran to Holyrood: Dhruva Kumar's Journey Echoes Gandhi's Legacy

Sagar Suraj

MOTIHARI: In a story that bridges continents and generations, India-born Scottish politician Prof. Dhruva Kumar is poised to make history in the upcoming Holyrood parliamentary elections. Hailing from Chhoudadano village - under East Champaran district in Bihar—the land immortalised by Mahatma Gandhi's first major satyagraha in India—Kumar's political rise in Scotland carries deep historical symbolism. Much like Mahatma Gandhi's transformative years in South Africa shaped his philosophy of justice and non-violent resistance, Kumar's journey abroad has forged his political identity. Gandhi's struggle against racial injustice in South Africa laid the moral foundation for his later leadership of the Champaran Satyagraha in 1917, where he stood with oppressed indigo farmers against colonial exploitation. That movement not only marked Gandhi's emergence as a mass leader in India but also turned Champaran into a global symbol of peaceful resistance. Today, more than a century later, a son of Champaran is drawing inspiration from that legacy—this time on Scottish soil. Prof. Kumar, an academic, economist and geopolitical commentator, has been selected as a regional list candidate for Scotland's Parliament. A strong advocate of Scottish self-determination, he argues that sovereignty is essential to tackling the cost-of-living crisis, housing pressures and energy inequality. He frequently highlights what he calls the "paradox of Scottish energy"—a resource-rich nation where many households still struggle with heating costs. His politics emphasise public ownership, fair pricing and a just transition for

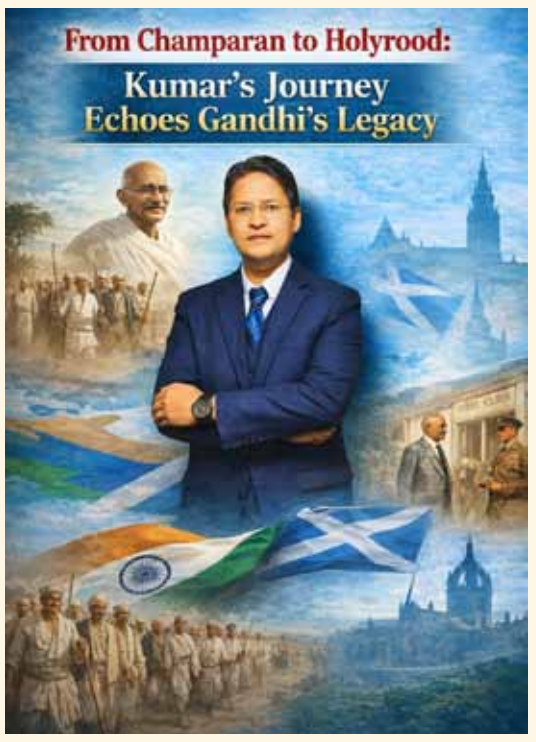

workers—principles that echo Gandhi's belief in economic justice and dignity for the marginalised. Kumar has also played a leading role in pushing for the first parliamentary motion in Scotland condemning 'Hinduphobia', strengthening ties with the Indian diaspora. Advocating closer India–Scotland cooperation in renewable energy, education and trade, he envisions a modern partnership rooted in shared democratic values. From Gandhi's fight for rights in South Africa to Champaran's assertion of dignity, and now to Holyrood's democratic stage, Dhruva Kumar's journey reflects how the spirit of justice born in Champaran continues to resonate far beyond India's borders.

Child Trafficking: HC Takes Tough Stance

New Delhi, Agency: Expressing concern about the rise in cases where gangs and hardened criminals deploy children to carry out crimes, Delhi High Court dismissed an anticipatory bail plea. The high court said such criminals were using children as a "weapon" to escape penal action and refused to grant anticipatory bail to a woman accused of trafficking a child and engaging him in illicit liquor sale. In a recent order, Justice Girish Kathpalia said the exploitation of children in the commission of crimes was increasing day by day.

Rejecting the plea for protection from arrest, the high court said the woman's custodial interrogation was necessary to unearth whether more children were trafficked for such purposes and to get to the root of the crime.

"Grant of anticipatory bail in a case where a child was exploited in commission of crimes would send a very wrong signal to society. Exploitation of children in commission of crimes is increasing day by day. Children are now often being used as a weapon by hardened criminals to escape penal action," the high court observed.

"I do not find it a fit case to grant anticipatory bail to the applicant," Justice Kathpalia noted. The woman was alleged to have trafficked a child from her native village and got him employed in the sale of illicit liquor in Delhi.

Police registered an FIR after a close relative of the accused was seen selling illicit liquor along with the boy. Seeking relief, the accused contended that there was nothing to suggest that she brought the boy to Delhi for the sale of illicit liquor.

Woman journalist 'attacked, assaulted' during pro-UGC protest in Delhi University

New Delhi, Agency: A scuffle between rival student groups at the Arts Faculty of Delhi University on Friday triggered allegations of assault and counter-claims of violence, with both sides accusing each other of intimidation and misconduct.

In a statement, the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) alleged that a woman journalist associated with a YouTube channel was attacked around 2 pm while covering a protest on campus.

ABVP Delhi state secretary Sarthak Sharma claimed that left-wing student activists manhandled the journalist after she questioned protesters. He further alleged that several of those involved were not students of Delhi University (DU) and demanded strict action from the police and the university administration. Meanwhile, the All India Students' Association (AISA) accused right-wing students of attacking its members during a protest demanding the implementation of new UGC regulations. In its statement, AISA said its DU secretary Anjali was physically assaulted while attempting to shield a journalist from being heckled. The group also alleged that despite security personnel being present, the attackers were allowed to act unchecked.

AIIMS May Carry Out Country's First Face Transplant This Year

New Delhi, Agency: A radical new option may soon be available for patients who have to live with horrific facial deformities even after enduring 10 to 12 reconstructive surgeries.

AIIMS Delhi has formally launched India's first face transplant programme and is preparing to perform the country's first such surgery within a year, subject to regulatory clearances. A face transplant involves replacing part of or the entire face with tissue from a deceased donor. It is not just a cosmetic surgery. The goal is to restore essential functions, such as speech, breathing, eating, eyelid closure and facial expression in patients whose injuries are beyond the reach of conventional reconstruction.

In many cases, such patients struggle not only with physical disability but also with severe social stigma and resultant isolation.

"Many suffer devastating facial deformities due to acid attacks, gunshot injuries and burns. Identifying the right candidate for the transplant and counselling him or her is essential. Unmotivated or unstable patients - those with active infections or cancers - are not suitable. That said, face transplantation is

no longer experimental, it is the need of the hour," said Dr Maneesh Singhal, head of plastic, reconstructive and burns surgery at AIIMS.

The surgery can last 14 to 16 hours and requires meticulous reconnection of blood vessels and nerves under a microscope. Even after a successful operation, patients must take lifelong immunosuppressive drugs to prevent rejection and require close monitoring for complications.

Dr Dipankar Bhowmick, head of nephrology at AIIMS, said the institute has the necessary systems in place to carry out such transplants. "Immunosuppression plays a critical role, and all infrastructure and facilities are available at AIIMS. I am excited and will provide the best possible support for this initiative," he said.

Donor matching remains the biggest challenge. Unlike solid organ transplants, a face transplant requires visible compatibility. The donor and recipient must be of the same sex, and skin tone should be broadly similar. Securing family consent within hours of a donor's brain death, while ensuring ethical clearance and transplant coordination, adds to the complexity.

The new initiative at the burns and plastic surgery block, which was established in 2021, brings together a multidisciplinary team of surgeons, transplant physicians, nephrologists, anaesthesiologists, psychiatrists and rehabilitation experts. Dr Preethy K from the department of psychiatry said psychological screening and long-term counselling will be mandatory throughout the course of treatment.

International expert Dr Indranil Sinha of Brigham and Women's Hospital, Harvard Medical School, said the skill set and infrastructure at AIIMS are on a par with international standards, and pledged his support to the programme.

'Girls, djinn rituals, money trick': Arrested 'occultist' modus operandi emerges in Delhi triple murder probe; linked to 8 killings

New Delhi, Agency: Police probing the triple murder case in Peeragarhi said arrested occultist Kamruddin was suspected to be involved in at least eight murders.According to police, the occultist arrested for allegedly poisoning and killing Randhir (76), Shiv Naresh (42) and Laxmi (40), whose bodies were found in an abandoned car near the Peeragarhi flyover on Feb 8, revealed a calculated modus operandi that revolved around ritualistic deception.

Police said the accused allegedly asked clients to send photographs of young women and girls as part of occult rituals and promised them a "dhanvarsha", or sudden windfall of wealth, claiming a 'djinn' would establish "physical contact" through a young woman in their family.

Multiple such photographs were found on a victim's phone, showing women posing with handwritten personal details. Investigators believe these images were circulated across groups linked to the accused.

An officer said, "He would give detailed instructions on how the girls should look, their height, hair length, skin type and conventional attractiveness. If the ritual failed, he would highlight minor flaws as the reason." The cops are questioning a suspected chemical supplier in Firozabad and tracing the source of the lethal mixture of aluminium phosphide and sleeping pills that he gave to the victims.

Police said Kamruddin used elaborate tricks to convince people of his supernatural abilities. He would perform a "money trick," holding a shawl and placing a Rs 500 note under it, then making the cloth move in a way that created the illusion of multiplying cash. In one case, he claimed to cure kidney stones: he placed red powder over a patient's body, had him indicate the site of pain and then pretended the powder was blood after a "surgery", claiming to have performed a procedure without stitches, an officer said. Police are trying to trace where he had learnt these practices.

Investigators said he used to ask clients to switch their phones to flight mode during meetings and avoided CCTV-covered locations. Police could trace his Loni residence because Laxmi had shared the location of his house with Naresh. A small note containing a "djinn kalma", believed to be part of the ritualistic practices, was found in Naresh's pocket.

Police said Kamruddin was also linked to a double murder in Uttar Pradesh last year and a 2014 case in Dholpur, Rajasthan, where a man allegedly killed his wife on Kamruddin's instructions.

Major Seizure on India–Nepal Border, One Arrested with 54.290 kg of ganja

Sagar Suraj

BETTIAH: In a significant crackdown along the India–Nepal border, police under Kangli police station limits seized 54.290 kilograms of ganja and arrested one alleged smuggler. The operation was carried out on Friday, February 14, 2026, following a specific intelligence input. According to police sources, information was received that some individuals were planning to enter Indian territory from Nepal through the Dhutaha river route with a consignment of narcotic substances. Taking the input seriously, a special team was constituted under the leadership of the Station House Officer (SHO) of Kangli police station. The team swiftly moved into action and conducted a raid at the identified location near the border. During the operation, police apprehended one person from the spot and recovered 54.290 kilograms of ganja from his possession. A mobile phone was also seized as part of the evidence. The arrested accused has been identified as Rajesh Mahto, son of Prasad Mahta, a resident of Darpa Sukhlahiya village under Darpa police station in East Champaran (Motihari) district. In connection with the incident, Kangli police station has registered a case numbered 15/26 and initiated further legal proceedings. Police officials stated that a detailed investigation is underway to trace other members of the suspected smuggling network. Efforts are also being made to determine the source and intended destination of the seized contraband. Authorities have reiterated their commitment to intensifying surveillance and maintaining strict vigil along the sensitive border region to curb cross-border smuggling activities.

Get Set, Go! Delhi Khel Mahakumbh Takes Off

New Delhi, Agency: White searchlights sliced through the sky as a giant balloon hovered above Chhatrasal Stadium. Attached to it, a young girl danced gracefully in mid-air carrying the Delhi Khel Mahakumbh baton, her fluid movements captivating thousands of spectators. They watched as she turned the sky into her stage until, in a perfectly timed manoeuvre, she descended and handed the baton to chief minister Rekha Gupta, officially declaring the games open.

Friday's inauguration was also marked by a ceremonial march-past led by the city's para-athletes. Gupta, along with education minister Ashish Sood and ex-Indian cricketer Shikhar

Dhawan, the event's brand ambassador, greeted participants as they toured the stadium in an open vehicle. Olympic medallist and Khel Ratna awardee Ravi Dahiya, along with Paralympic medallist Sharad Kumar, were present to lend their support. Addressing the gathering, Gupta said the event was more than a competition; it was a celebration of the energy, aspirations and immense potential of the city's youth.

"Delhi has never lacked talent. What had been missing was the right platform. This initiative is a historic step that will give direction and opportunity to lakhs of young athletes in the years to come," she said, adding that since the formation of the current govt last year, efforts have been made not only to accelerate development in Delhi but also to create new opportunities for young people. Nearly Rs 33 crore in long-pending prize money, which had not been released for almost three decades, has now disbursed to athletes, she said.

Sood described Delhi Khel Mahakumbh as a people's movement towards making the city the sports capital of India. Calling it the beginning of a "new dawn" for sports in Delhi, he said every local akhada and neighbourhood stadium will now become a training ground for future global champions.

"Delhi is not just returning to sports; it is preparing to lead," he said, adding that strengthening the sports ecosystem - from stadium infrastructure to support systems for athletes - is a key priority. "A strong sports culture is a pillar of a strong city. By investing in fitness, discipline and competitive spirit, we are building a more confident Delhi," he said. Scheduled to run for a month, the sporting festival will take place across 16 stadiums and sports complexes across the city, including Thyagraj Stadium, Chhatrasal Stadium, Pehladpur Sports Complex, East Vinod Nagar Sports Complex and Rajiv Gandhi Stadium.

Organisers expect participation of nearly 30,000 athletes, with over 15,000 already registered through the official portal. Athletes from Delhi University and GGSIPU, alongside registered sports clubs, academies and associations, will compete on an open, inclusive platform designed to give everyone a chance to showcase his or her talent.